दैनिक

मिशन नेशनल न्यूज

Mission of Truth

TITLE CODE.: UTTHIN05386

हिन्दी अखबार

प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद

वेबसाइट पढ़े: www.missionnationalnews.com

वर्ष-3 अंक-02 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये

हरिद्वार, गुरुवार, 02 जनवरी 2025

संक्षिप्त समाचार

नए साल का जश्न मना रहे लोगों को ट्रक से रौंदा और फायरिंग की, 10 की मौत, 30 घायल

वाशिंगटन

नए साल का जश्न मना रहे लोगों पर अमेरिका के न्यू ऑरलियन्स में एक शख्स ने पिकअप ट्रक चढ़ा दिया, जिससे 10 लोगों की मौत हो गई और करीब 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस घटना के दौरान फायरिंग भी की गई है। घटना 1 जनवरी को बॉर्बन स्ट्रीट पर हुई है।

घटना के संबंध में जानकारी देते हुए प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, कि तेज रफ्तार एक ट्रक ने भीड़ में घुस गया, और इसके बाद हमलावर ने वाहन से उतरकर फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई में गोलीबारी की। हमलावर की गिरफ्तारी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। खबरों में बताया जा रहा है कि यह दुर्घटना नहीं थी, बल्कि जानबूझकर नया साल मना रहे लोगों पर हमला किया गया प्रतीत हो रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

इस घटना में घायल हुए लोगों को न्यू ऑरलियन्स के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस प्रत्येक एंगल से घटना की जांच कर रही है। यह घटना नए साल के जश्न को मातम में बदलने वाली साबित हुई है। यहां बताते चलें कि इससे पहले, 25 दिसंबर को जर्मनी के मैगडेबर्ग में भी ऐसा ही हमला हुआ था, जिसमें 5 लोगों की मौत हुई थी।

फर्टिलाइजर पर जारी रहेगी सब्सिडी, 1350 रुपए में ही मिलेगा डीएपी खाद का बैग

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने नए साल के पहले दिन किसानों के लिए बड़े फैसले किए हैं। बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक जारी रखने को मंजूरी दे दी है। इसके साथ फर्टिलाइजर पर सब्सिडी जारी रहेगी। डीएपी खाद का 50 किलोग्राम का बैग 1350 रुपए में ही मिलता रहेगा।

कैबिनेट ने डीएपी खाद बनाने वाली कंपनियों को 3850 करोड़ की अतिरिक्त सब्सिडी देने का ऐलान किया है। फसल बीमा योजना का आवंटन बढ़ाकर 69516 करोड़ रुपए कर दिया है। फसल बीमा न देने पर पेनल्टी नहीं लगेगी। इसके अलावा कैबिनेट ने कृषि जगत में इनोवेशन और टेक्नोलॉजी को विस्तार देने के लिए 824.77 करोड़ रुपए के बजट का भी आवंटन किया है। कैबिनेट ने वेदर इंफॉर्मेशन से जुड़े प्रोजक्ट पर भी मंजूरी दी है। मौसम सूचना और नेटवर्क डेटा सिस्टम में ब्लॉक स्तर पर ऑटोमेटिक वेदर सिस्टम और पंचायत स्तर पर ऑटोमेटिक रेन गेज स्थापित किए जाएंगे। 9 प्रमुख राज्य में यह प्रोजेक्ट लागू करने की प्रक्रिया में हैं जिसमें केरल, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पुडुचेरी, असम, ओडिशा, कर्नाटक, उत्तराखंड और राजस्थान शामिल हैं, अन्य राज्यों ने भी इसे लागू करने की उनके राज्या इच्छा जाहिर की है।

रक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2025 को सुधारों का वर्ष घोषित किया

नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2025 को ह्यसुधारों का वर्षह्ल घोषित किया है, जिसका उद्देश्य सशस्त्र बलों को एक साथ कई क्षेत्रों में संचालन में सक्षम बनाना और उन्नत प्रौद्योगिकी से लैस लड़ाकू सेना बनाना है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं, सुधारों और प्रगति की समीक्षा के लिए नव वर्ष की पूर्व संध्या पर मंत्रालय के सभी सचिवों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की।

रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि श्री सिंह ने विश्वास जताया कि यह सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा, ह्ल यह देश की रक्षा तैयारियों में अभूतपूर्व प्रगति की नींव रखेगा, इस प्रकार 21वीं सदी की चुनौतियों के बीच राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता सुनिश्चित करने की तैयारी करेगा ह्व। सुधारों का उद्देश्य संयुक्तता और एकीकरण पहल को और मजबूत करना और एकीकृत थिएटर कमान की स्थापना को सुविधाजनक बनाना होगा। रक्षा मंत्रालय ने 2025 में साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए डोमेन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, हाइपरसोनिक्स और रोबोटिक्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों सहित केंद्रित हस्तक्षेप के लिए व्यापक क्षेत्रों की पहचान की है। इसके अलावा, भविष्य के युद्धों को जीतने के लिए आवश्यक संबंधित रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाएं भी विकसित की जाएंगी।

एक अन्य क्षेत्र जिसकी पहचान की गई है, वह है अधिग्रहण प्रक्रियाएं, जिन्हें तेज और मजबूत क्षमता विकास की सुविधा के लिए सरल और समय-संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है।

रक्षा क्षेत्र और नागरिक उद्योगों के बीच प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और ज्ञान साझा करने को सुविधाजनक बनाने, व्यापार करने में आसानी में सुधार करके सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

सरकार रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग, अक्षमताओं को खत्म करने और संसाधनों को अनुकूलित करने के लिए प्रभावी नागरिक-सैन्य समन्वय पर भी ध्यान केंद्रित करेगी।

एक अन्य फोकस क्षेत्र भारत को रक्षा उत्पादों के एक विश्वसनीय निर्यातक के रूप में स्थापित करना, ज्ञान साझा करने और संसाधन एकीकरण के लिए भारतीय उद्योगों और विदेशी मूल उपकरण निमार्ताओं के बीच अनुसंधान और विकास और साझेदारी को बढ़ावा देना भी होगा।

इस वर्ष के दौरान पूर्व सैनिकों के कल्याण पर भी ध्यान केंद्रित किया जायेगा और उनकी विशेषज्ञता का लाभ उठाया जाएगा। सरकार उनके लिए कल्याण उपायों के अनुकूलन की दिशा में भी काम करेगी।

इसके अलावा, सरकार सांस्कृतिक गौरव और विचारों पर भी ध्यान केंद्रित करेगी, स्वदेशी क्षमताओं के माध्यम से वैश्विक मानकों को प्राप्त करने में विश्वास को बढ़ावा देगी, साथ ही देश की परिस्थितियों के अनुकूल आधुनिक सेनाओं से सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाएगी।

साल के पहले दिन प्रभू श्रीराम के दर्शन करने के लिए अयोध्या में लगा भक्तों का तांता

अयोध्या

बीती रात नए साल का जश्न मना और दूसरे दिन साल की पहली सुबह भगवान श्रीराम के दर्शनों के लिए अयोध्या में भक्तों का तांता लग गया। नए साल की शुरूआत के साथ ही, देश भर के मंदिरों और घाटों पर बड़ी तादाद में श्रद्धालु उमड़ पड़े और इस मौके को आध्यात्मिक उत्साह और खुशी के साथ सेलिब्रेट कर रहे हैं। शंखों की मधुर आवाज, पूजा की घंटियों की लयबद्ध झंकार और मंत्रों से वातावरण गूंज उठा, जिससे माहौल बिल्कुल जश्न वाला बन चुका है। कई श्रद्धालु सुबह-सुबह ही एकत्र हुए, कई लोगों ने ठंड के बावजूद पूजा-अर्चना की और आने वाले साल में समृद्धि, खुशी और अच्छे स्वास्थ्य के लिए आशीर्वाद मांगा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में साल 2025 के पहले दिन बड़ी संख्या में लोग पूजा-अर्चना करने के लिए श्री राम जन्मभूमि मंदिर आए।

उज्जैन,मथुरा और स्वर्ण मंदिर में भी भीड़

उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में 2025 की पहली सुबह की शुरूआत एक विशेष आरती के साथ हुई, जिसमें बड़ी तादाद में श्रद्धालु शामिल हुए। मथुरा के बांके बिहारी मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं, जहां लोग देवी दुर्गा का आशीर्वाद लेने के लिए एकत्र हुए। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में आधी रात से ही श्रद्धालुओं की असाधारण भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने प्रार्थना की, पवित्र मंदिर में मत्था टेका और पवित्र कुंड में स्नान किया। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में नदी के किनारे विशेष गंगा आरती का आयोजन किया गया, जिसमें देश-विदेश से श्रद्धालु शामिल हुए और गंगा किनारे इस मनमोहक अनुष्ठान को देखने के लिए एकत्र हुए। 2025 के पहले दिन वाराणसी के अस्सी घाट पर गंगा आरती का आयोजन हो रहा है। महाराष्ट्र में मुंबई के श्री सिद्धिविनायक मंदिर में सुबह-सुबह पहुंचकर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की।

भारत को बड़ी सफलता, अमेरिका ने दी हरी झंडी

मुंबई हमले का आरोपी तहव्वुर राणा भारत लाया जाएगा

नई दिल्ली

भारत को अमेरिका में बड़ी सफलता मिली है। 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत लाने का रास्ता साफ हो गया है। राणा के प्रत्यर्पण के लिए अमेरिकी कोर्ट ने हरी झंडी दे दी है। अमेरिकी कोर्ट ने अगस्त 2024 में फैसला सुनाते हुए भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को भारत भेजने को मंजूरी दी थी। अब भारत उसे जल्द लाने की प्रक्रिया तेज कर रहा है। राणा पर आरोप है कि उसने 26/11 के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी। हेडली ने मुंबई में ठिकानों की रेकी की थी।

इससे पहले भारत ने अमेरिकी कोर्ट के समक्ष मजबूत सबूत पेश किए थे, जिनमें राणा की संलिप्तता साफ देखी गई थी। कोर्ट ने साफ किया कि राणा के खिलाफ भारत में लगे आरोप अमेरिकी अदालतों के मामलों से अलग हैं। दोनों देशों के बीच जो समझौता है, उसके तहत उन्हें भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। बता दें कि एफबीआई ने राणा को 2009 में शिकागो से गिरफ्तार किया था। वह पाकिस्तान की ह्रस्ह्व और लश्कर-ए-तैयबा का ऑपरेटिव बताया गया है। अब उसे भारत लाने की तैयारी जोरों पर है। कोर्ट ने राणा को आतंकवादी संगठन को मदद करने और डेनमार्क में आतंकवादी हमलों को अंजाम देने की नाकाम साजिश रचने के लिए दोषी करार दिया था। हालांकि, कोर्ट ने भारत में किए गए हमलों के आरोपों को खारिज कर दिया लेकिन माना कि वह मुंबई आतंकी हमले की साजिश में शामिल रहा था, और उसे भारत प्रत्यर्पण किया जाना चाहिए।

राणा-हेडली ने तैयार किया था मुंबई हमले का ब्लूप्रिंट

मुंबई पुलिस की चार्जशीट के मुताबिक, राणा आंतकवादियों को हमले की जगह बताने और भारत में आने के बाद रुकने के ठिकानों बताने में मदद कर रहा था। राणा ने ही ब्लूप्रिंट तैयार किया था, जिसके आधार पर आतंकवादियों ने हमले को अंजाम दिया। राणा और हेडली पर आतंकवादी साजिश रचने का काम किया था। चार्जशीट में बताया गया कि मुंबई हमले की साजिश की प्लानिंग में राणा का रोल बहुत बड़ा था।

केंद्र के अधीन धार्मिक कमेटी ने मंदिरों को तोड़ने का दिया आदेश : आतिशी

नयी दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि केंद्र सरकार के अधीन धार्मिक कमेटी ने दिल्ली में कई मंदिरों और बौद्ध स्थलों को तोड़ने का आदेश दिया है जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसे नकार रही है।

आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में कई सारे मंदिरों और बौद्ध धर्म के मंदिरों को तोड़ने की योजना बना रही है। दिल्ली में एक धार्मिक कमिटी होती है जो मंदिरों की शिफ्टिंग और धार्मिक स्थल की तोड़फोड़ जैसे कामों को लेकर फैसला लेती है। यह धार्मिक कमिटी दिल्ली सरकार के गृह मंत्री के अधीन आती थी लेकिन पिछले साल दिल्ली के उपराज्यपाल ने यह आदेश दिया कि किसी भी धार्मिक स्थल की तोड़फोड़ कानून-व्यवस्था का मुद्दा है और कानून-व्यवस्था का मुद्दा होने के नाते यह केंद्र सरकार और उपराज्यपाल के अधीन आता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक कमिटी की अध्यक्षता प्रमुख सचिव (गृह) करते हैं। प्रमुख सचिव गृह की नियुक्ति केंद्र सरकार के द्वारा की जाती है। केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त प्रमुख सचिव फैसला लेता है और उस फैसले को केंद्र सरकार के नुमाइंदे उपराज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजता है। उन्होंने कहा कि हमने मंगलवार को जब उपराज्यपाल को चिट्ठी लिखी तो उनके कार्यालय ने कई मीडिया वालों को कहा कि ऐसा कोई भी निर्णय मंदिर तोड़ने का नहीं हुआ। यह सरासर झूठ है। जबकि सच यह है कि 22 नवंबर को धार्मिक कमिटी की बैठक हुई है और उसमें कई मंदिर तोड़ने का फैसला हुआ है।

सुश्री आतिशी ने कहा कि यहाँ कई मंदिर जो सुंदर नगरी, सीमापुरी, सुल्तानपुरी, वेस्ट पटेल नगर, न्यू उस्मानपुर शामिल हैं। इन इलाकों में कई मंदिरों को तोड़ने का फैसला 22 नवंबर को धार्मिक कमिटी ने लिया है। उसके बाद उसकी फाइल उपराज्यपाल के पास भेजी गई और उन्होंने इस फाइल को मंजूरी दे दी है। अब डीडीए, एमसीडी, दिल्ली पुलिस और संबंधित डीएम-एसडीएम इन सब मंदिरों को तोड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले साल भी इसी तरह पटपड़गंज के एक इलाके विनोद नगर में शनि मंदिर के एक हिस्से को खुलेआम तोड़ा गया था।

सीएम बीरेन के माफी मांगने के कुछ घंटों पर मणिपुर के गांव पर हमला

इंफाल

मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले के एक गांव पर मंगलवार रात कुछ बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। कडांगबंद इलाके में रात 1 बजे बम फेंके गए। गांव वालों ने भी इस हमले के जवाब में फायरिंग की। इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

मणिपुर में यह ताजा घटना सीएम बीरेन सिंह के माफी मांगने के बयान के कुछ घंटों बाद हुआ। सीएम बीरेन ने मंगलवार को राज्य में हुई हिंसा और उसमें हुई जनहानि को लेकर माफी मांगी थी। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सवाल पूछा था कि पीएम मोदी मणिपुर क्यों नहीं जाते हैं। इसके जवाब में बीरेन ने कहा था कि पूर्व पीएम नरसिम्हा राव के कार्यकाल में भी मणिपुर में अशांति थी। क्या वह वहां गए थे।

सीएम बीरेन ने साल 2024 के आखिर दिन मीडिया से चर्चा के दौरान कहा था कि हिंसा में कई लोगों ने अपने प्रियजन को खो दिया। कई लोगों बेघर हो गए हैं। मुझे खेद है। मैं माफी मांगता हूं। मणिपुर में मई 2023 से अक्टूबर 2023 तक गोलीबारी की 408 घटनाएं दर्ज की गईं। नवंबर 2023 से अप्रैल 2024 तक 345 घटनाएं हुईं। मई 2024 से अब तक 112 घटनाएं सामने आई हैं।

संपादकीय

मौत के बोरवेल

ऐसे समय में जब देश-दुनिया नये साल के जश्न में डूबने जा रही है मध्यप्रदेश व राजस्थान में खुले बोरवेल में गिरने से हुई दो बच्चों की मौत विचलित करती है। राजस्थान के दोसा जिले और मध्यप्रदेश के गुना की घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं। गाहे-बगाहे ऐसी खबरें पूरे देश से आती हैं। यह सोचकर ही मन सिहर उठता है कि कोई बच्चा कैसे एक अंधी सुरंग में भूखे-प्यासे, अपर्याप्त ऑक्सीजन व बिना हिले-डुले कुछ दिन मौत की प्रतीक्षा करता होगा। भय व घुप्प अंधेरे में बच्चा किन मानसिक व शारीरिक यातनाओं से गुजरता होगा, सोचकर भी डर लगता है। लेकिन फिर भी हमारा संवेदनहीन समाज व लापरवाह तंत्र इस त्रासदी को गंभीरता से नहीं लेता। जिस बोरवेल को खुदवाने में लाखों रुपये खर्च होते हैं, उसका मुंह बंद करने के लिये चंद रुपये खर्च करने में लोग आपराधिक लापरवाही दिखाते हैं। राजस्थान के कोटपुतली में बोरवेल में गिरी तीन साल की बच्ची को एक सप्ताह बाद भी न निकाला जाना तंत्र की विफलता को दशार्ता है। निस्संदेह, यह अभियान जटिल बताया जाता है और बारिश ने राहत कार्य में बाधा डाली, लेकिन शुरूआत में प्रशासन की शिथिलता पर सवाल उठे हैं। ऐसे अभियानों में राष्ट्रीय आपदा निरोधक बल तथा स्थानीय सुरक्षा बलों की नाकामी गाहे-बगाहे उजागर होती रहती है। निस्संदेह, ऐसे संकटों में तत्काल कार्रवाई और राहत- बचाव कार्य को आधुनिक तकनीक से शुरू करने की जरूरत महसूस की जाती रही है। यही वजह है कि आए दिन होने वाले बोरवेल हादसों के मद्देनजर देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2010 में इस बाबत दिशानिर्देश जारी किए थे ताकि ऐसे हादसों को टाला जा सके। जिसमें बोरवेल के चारों ओर बाड़ लगाने तथा मजबूत बोल्ट के साथ स्टील कवर लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद आए दिन बोरवेल में बच्चों के गिरने के मामले सामने आ रहे हैं। जाहिर किसान व स्थानीय प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं। अन्यथा ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न होती। निस्संदेह, देश के विभिन्न भागों में बोरवेल हादसों का सामने आना जहां निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही को दशार्ता है, वहीं उन लोगों के आपराधिक कृत्य को भी दशार्ता है, जो बोरवेल का मुंह खुला छोड़ देते हैं। वहीं हादसे हमारे समाज में चेतना के अभाव को भी दशार्ते हैं कि खुले बोरवेल के खिलाफ आम लोगों के स्तर पर आवाज नहीं उठायी जाती। यह भी उल्लेखनीय है कि सिंचाई विभाग राज्यों का विषय होने के कारण इसमें केंद्र सरकार का दखल नहीं हो पाता। एक अनुमान के अनुसार देश में करीब पौने तीन करोड़ बोरवेल हैं। जिसमें से बड़ी संख्या में सूख चुके हैं। जिन्हें गैरजिम्मेदार लोगों द्वारा खुला छोड़ दिया जाता है, जो कालांतर हादसे की वजह बन जाते हैं। विडंबना यह भी है कि एनडीआरएफ द्वारा चलाये जाने वाले ऐसे राहत व बचाव के दो तिहाई अभियान नाकाम रहते हैं। दरअसल, सभी राज्यों में ऐसे मामलों में बच्चों की जान बचाने से जुड़े सुरक्षा उपाय हर जिले के अधिकारियों को एक मैनुअल के रूप में दिए जाने चाहिए। ताकि किसी हादसे के बाद राहत-बचाव कार्य तुरंत शुरू करके बच्चों को बचाया जा सके। संकट इस ओर भी इशारा करता है कि ऐसे मामलों में हमारा राहत व बचाव का तंत्र कितना शिथिल व निष्प्रभावी है। अकसर स्थिति जटिल होने पर सेना के विशेषज्ञों की भी मदद ली जाती है। कई बार इतनी देर बाद सेना के विशेषज्ञों को बुलाया जाता है कि बच्चों के बचने की उम्मीद क्षीण हो चुकी होती है। निश्चित रूप से बोरवेल की देखरेख करने वाली एजेंसियों के अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। ऐसे मामलों में लापरवाही दिखाने वाले अधिकारियों को दंडित करने की जरूरत है। उनका दायित्व बनता है कि खुले बोरवेल के मालिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। समाज के लोगों को भी इस बाबत सचेत करने की जरूरत है ताकि वे प्रशासन को खुले बोरवेल की सूचना दे सकें।

(चिंतन-मनन)

मृत्यु की चिंता और चिंतन का महत्व

एक महात्मा अपने शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे और उन्हें योगाभ्यास सिखाते थे। वह सत्संग भी करते थे। एक शिष्य चंचल बुद्धि का था। बार-बार गुरु से कहता, आप कहां जंगल में पड़े हैं, चलिए एक बार नगर की सैर करके आते हैं। महात्मा ने कहा, मुझे तो अपनी साधना से अवकाश नहीं है। तुम चले जाओ। शिष्य अकेला ही नगर चला गया। नगर में बाजार की शोभा देखी। मन अति प्रसन्न हुआ। इतने में एक भवन की छत पर निगाह पड़ी। देखा कि एक परम सुंदरी छत पर कपड़े सुखा रही है। बस वह कामदेव के बाण से आहत हो गया। जब शिष्य आश्रम लौटा तो चेले का चेहरा देखकर महात्मा जान गए कि यह बच्चा काम वासना शिकार हो गया है। पूछने पर चेले ने उत्तर दिया - गुरुदेव! हृदय में असहनीय पीड़ा हो रही है। महात्मा बोले, क्या नजर का कांटा हृदय में गड़ गया? चेले ने सारा वृत्तांत कह सुनाया। चेले से गुरुजी ने उस स्त्री का पता पूछा तो पता चला कि वह नगर के एक सेठ की पत्नी है। महात्मा ने एक पत्र के जरिए सेठ को अपनी पत्नी को लेकर आश्रम में एक रात के लिए आने के लिए कहा। सेठ आया तो उसे अलग बैठाकर महात्मा स्त्री को लेकर शिष्य के पास गए और कहा, यह स्त्री रात भर तेरे पास रहेगी, पर ध्यान रखना कि सूर्य निकलते ही तेरा देहांत हो जाएगा।

क्या अब दिल्ली भी चलेगी देश के साथ?

–डा. विनोद बब्बर–

दिल्ली एक बार फिर अपने भाग्य विधाताओं के द्वार पर पहुंच रही है। लोकतंत्र में मतदाता मशीन का बटन दबाने तक ही सही लेकिन निर्णायक होता है। यह भी सत्य है कि अगले पांच वर्षें तक उसकी सुनी जाए या न सुनी जाए लेकिन तकनीकी रूप से उसे भाग्य विधाता का दर्जा दिया जाता है। दिल्ली भारत का दिल है तो उसे मिनी भारत भी कहा जाता है परंतु पिछले दो विधानसभा चुनावों में दिल्ली ने शेष भारत से बिल्कुल भिन्न फैसला देकर अद्वितीय हलचल उत्पन्न करते हुए मुख्य राजनैतिक दलों को जोरदार झटका दिया था।

एक बिल्कुल नई कार्यसंस्कृति का दावा करने वाले केजरीवाल से देश की जनता को बहुत आशाएं थी। इसीलिए दिल्ली के बादपंजाब में भी आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो गुजरात और गोवा में भी उसका प्रदर्शन अपेक्षा से बढ़कर रहा लेकिन दिल्ली में अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान परिवर्तन के नायक बने केजरीवाल और उनकी टीम के सदस्यों ने जिस तरह मयार्दाओं को ताक पर रखा, उससे दिल्ली वालों को भारी निराशा का सामना करना पड़ रहा है। शराब घोटाले जैसे मामलों में अरविंद केजरीवाल उनके अभिन्न सहयोगी मनीष सिसोदिया, संजय सिंह तथा सत्येंद्र जैन को लंबे समय तक जेल में रहना पड़ा। बार-बार जमानत की याचिका रद्द होने के बाद उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा चुनाव के अवसर पर सशर्त जमानत दी जिसमें सचिवालय जाने तथा मुख्यमंत्री के रूप में किसी भी फाइल को देखने अथवा हस्ताक्षर करने पर रोक थी।

केजरीवाल और उनकी पार्टी ने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए लोकसभा चुनाव में जनता से अपना भारी समर्थन देने की अपील की परंतु कांग्रेस के साथ गठबंधन के बावजूद सभी सातों सीटों पर बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। अदालत में सुनवाई के लंबे समय तक चलने के तर्क पर उन्हें तकनीकी आधार पर नियमित जमानत प्राप्त हुई, सशर्त। ऐसे में अरविंद केजरीवाल के लिए मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करना लगभग असंभव था। तेज तर्रार केजरीवाल ने यहाँ फिर दाँव खेलते हुए त्याग बलिदान की बातें करते हुए पद छोड़ आतिशी को डमी मुख्यमंत्री बनाया। वह लगातार इस बात पर जोर देते रहे कि चुनाव के बाद वह ही मुख्यमंत्री बनेगे।

चुनाव के निकट उन्होंने महिलाओं को 2100 प्रति मास देने का वादा करते हुए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का अभियान चलाया लेकिन दिल्ली की जागरूक महिलाओं ने उनसे यह जानना चाहा कि पिछले बजट में उन्होंने प्रति मास 1000 देने की जो घोषणा की थी, उसका क्या हुआ? पंजाब में भी मई 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में भी इसी प्रकार का वादा अब तक लागू क्यों नहीं किया गया? अपनी सरकार होते हुए भी चुनाव के बाद स्वयं मुख्यमंत्री बनने पर पानी के बिल घटाने की बातें कर केजरीवाल उपवास का पात्र बन गए।

पिछले कुछ समय से दिल्ली की सड़कों, नालियों तथा साफ सफाई की दशा बहुत खराब है। दिल्ली नगर निगम चुनाव में उन्होंने कूड़े के पहाड़ हटाने का वादा तो किया लेकिन अब लगभग हर कॉलोनी में कूड़े के ढेर दिखाई दे रहे हैं। विशेष रूप से अनधिकृत कॉलोनी में नारकीय स्थिति बनी हुई है। मुफ्त बिजली पानी की तस्वीर भी पूरी तरह से बदली हुई है क्योंकि बिजली पर तरह-तरह के सरचार्ज लगाए गए जिससे लगभग प्रत्येक व्यक्ति का बिल भी कई गुना बढ़ गया। वास्तविकता यह है कि केजरीवाल जी के तेवर में कोई कमी नहीं है लेकिन धरातल पर स्थित पूरी तरह से भिन्न होने के कारण उनके विधायकों को जनता का सामना करना भारी पड़ रहा है।

हर छोटी-बड़ी बात पर जनता से राय लेने का दिखावा करने वाला वह कथित नायक अपने व्यवहार में जिस तरह की मनमानी दिखाता रहा, उससे उसके अपने निष्ठावान कार्यकर्ता तक स्तब्ध है। इस बार भी चुनाव में जिस तरह का टिकटों का वितरण हुआ है वह उनकी तथाकथित कट्टर ईमानदार की छवि पर प्रश्न चिन्ह लगता है। यह देश का दुर्भाग्य था कि राजनैतिक भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए निकला यह रथ नए प्रकार के भ्रष्ट आचरण का शिकार बनकर फुस हो गया। इतिहास ने जो मौका उन्हें दिया था उसे उन्होंने "ऐतिहासिक भूलों" का बंधक बना दिया। जनलोकपाल की कसमें खाकर भूल जाना उनकी विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। आशाएं जगाकर अपने ही अभियान की भ्रूणहत्या का "श्रेय" किसी बाहरी शक्ति की बजाय उसके नायक को दिया जाना उचित ही है।

अपनी अयोग्यता से अधिक अपने अस्थिर स्वभाव के कारण पद छोड़कर "शहीद" बनने का प्रयास आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान कसौटी पर कसा जाएगा। लोकसभा चुनाव में सहयोगी रही कांग्रेस भी लगातार उन पर तंज कस रही है। शीला दीक्षित के सुपुत्र और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित केजरीवाल के विरुद्ध नई दिल्ली से ताल ठोक चुके हैं तो कांग्रेस महासचिव अजय माकन ने तो केजरीवाल को देशद्रोही तक कह डाला, इसलिए इस बार का मुकाबला निश्चित रूप से पूर्व से भिन्न होने जा रहा है। नित्य नए मुद्दे घड़ने और अपनी असफलता दूसरों पर थोपने में माहिर केजरीवाल जी को इस बात का जवाब देना ही पड़ेगा कि वे सादगी की बात करते — करते शीशमहल निवासी होकर करोड़ों की बबार्दी वाले कैसे हुए? महिला सम्मान योजना और संजीवनी के नाम पर एक बार फिर वोट पाने की चाह लिए केजरीवाल जी की स्वयं की सरकार द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों में यह सूचना प्रकाशित कराई है कि इस प्रकार की कोई योजना सरकार द्वारा अधिसूचित नहीं है अतः पंजीकरण और कार्ड जारी करने का अभियान अवैध है। लोगों को अपना डेटा देते हुए सावधानी बरतनी चाहिए। अब जबकि विधान सभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। ऐसे में प्रश्न यह है कि दिल्ली इस बार किस ओर जाएगी। देश में बह रही हवा जो अप्रत्याशित रूप से दिल्ली के पड़ोस तक पहुंच चुकी है. क्या दिल्ली की जनता के दिल-दिमाग में भी दस्तक देगी? क्या दिल्ली परिवर्तन के भटके नायक को अपनी भूल सुधारने का एक मौका देगी? क्या कांग्रेस को प्राणदान मिलगा? क्या फिर से दिल्ली का फैसला बंटा हुआ होगा? क्या देश का दिल कहे जानी वाली दिल्ली देश की धड़कन बनी रहेगी? संभावनाएं अनेक हो सकती है। अंतिम निर्णय चूंकि दिल्ली के प्रबुद्ध मतदाता को करना है इसलिए उससे विवेकपूर्ण फैसले की आपेक्षा सारा देश करता है। इन चुनावों की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि दो प्रमुख दलों कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी में अनेक बड़े चेहरे होते हुए भी किसी को भी सीएम फेस घोषित नहीं किया है। बहुत संभव है कि राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा की कोई नया चेहरा सामने लाया जाए। "आप" के नेतृत्व को शिवसेना के हश्र से सबक सीखना चाहिए। केजरीवाल द्वारा अपने दल की मुख्यमंत्री आतिशी को बार बार अस्थाई (डमी) बताना आत्मघाती हो सकता है। स्वयं को मुख्यमंत्री बनाने की जिद्द केजरीवाल की छवि को दम्भी और अधिनायकवादी बनाती है। आज जिस तरह से कुछ विधायक चुनाव लड़ने से इनकार कर रहे है तो घोर समर्थक भी पल्ला झाड़ रहे है, उससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। यदि वास्तव में ही ऐसा है तो इसके लिए जिम्मेदार केवल और केवल अरविंद केजरीवाल स्वयं हैं। आज भी उनसे किसी दूसरे को आप का नेता घोषित करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। सत्ता केवल अपने ही हाथों में उनका छुपा नहीं, अभी तो खुला और प्रकट एजेंडा है जो उनके यश-कीर्ति को चट कर गया। ऐसे में यह भ्रम शायद ही किसी को हो कि उन्हें और उनके दल को दिल्ली की जनता पिछली बार जैसा या उससे अधिक स्नेह, सहयोग, समर्थन देगी। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि इस बार भाजपा के लिए दिल्ली का चुनाव "केक वाक" होने जा रहा है? इसमें कोई दो राय नहीं कि हरियाणा और महाराष्ट्र में अप्रत्याशित सफलता के बाद दिल्ली में भी भाजपा का मनोबल ऊंचा है लेकिन भाजपा को सफलता प्राप्त करनी है तो उसे सबसे पहले गुटबाजी से मुक्ति पानी होगी। दूसरे दलों के नकारे हुए नेताओं को अपने समर्पित कार्यकताओं पर अधिमान देना उसे महंगा पड़ सकता है! अपने कैडर को संगठित और सक्रिय बनाने के साथ-साथ कुछ लोक लुभावने वादे भी करने पड़ेंगे। साथ ही दिल्ली की जनता में यह विश्वास भी पैदा करना पड़ेगा कि वादे निश्चित रूप से पूरे होंगे। यह लगभग तय है कि विधानसभा के चुनाव केंद्रीय बजट के बाद होंगे, अतः केन्द्रीय बजट में मध्यम वर्ग को आयकर तथा जीएसटी में राहत देनी चाहिए अन्यथा भाजपा को अपने परंपरागत समर्थक वोट बैंक से खुले समर्थन की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। फिलहाल इंतजार है चुनाव आयोग के अगले कदम की. उसके बाद दिल्ली के मतदाता अपना फैसला दे।

अपनी मौत की भविष्यवाणी : कितनी सटीक कितनी गलत?

–निर्मल रानी–

यह एक आम परन्तु सही व स्थापित धारणा है कि कोई भी व्यक्ति अपने भविष्य के बारे में पूरे दावे के साथ कुछ भी नहीं कह सकता। खासतौर पर मृत्यु के बारे में तो कोई भी नहीं जानता कि उसकी मौत कब, किस क्षण, किस जगह और किन परिस्थितियों में व किन कारणों से आनी है। परन्तु इसी संसार में अपवाद स्वरूप कुछ गिनी चुनी ऐसी हस्तियां भी हुई हैं जिन्होंने जहाँ अनेकानेक विश्वस्तरीय व चौंकाने वाली भविष्यवाणियां तो की ही हैं साथ ही अपनी मृत्यु की भी सटीक भविष्वाणी कर दुनिया के उस वर्ग को हैरानी में डाल दिया जो वर्ग यह दृढ़ विश्वास करता था की 'किसी को भी अपने मरने का समय नहीं पता '। जिन लोगों ने अपने मरने के सही समय की मृत्यु से पहले ही भविष्यवाणी की थी उनमें एक नाम महान फ्रेंच एस्ट्रोलॉजर नास्त्रेदमस का है। कहा जाता है कि अपनी मृत्यु से एक दिन पूर्व नास्त्रेदमस ने अपने सचिव को बता दिया था। कि 'कल सूर्योदय के समय मैं तुम्हें जिंदा नहीं मिलूंगा'। और वही हुआ, जब अगले दिन का सूर्योदय हुआ तो नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी सही साबित हुई और वे सूर्योदय से पहले ही मृत्युलोक को प्रस्थान कर चुके थे। इसी तरह बाबा वेंगा के बारे में भी यही कहा जाता है कि उन्होंने भी अपने मरने से काफी पूर्व अपनी मृत्यु की तिथि व समय घोषित कर दिया था। जो बिल्कुल सही साबित हुआ।

इसी तरह हमारे देश में चंडीगढ़ स्थित राम दरबार नामक एक प्रसिद्ध सूफी स्थान है। यहाँ की गद्दीनशीन माता राम बाई जी 'अम्मी हुजूर ' अत्यंत प्रसिद्ध, प्रतिष्ठित व प्रभावी फक ीर थीं। देश विदेश में तथा नौकरशाही व फिल्म जगत में उनके काफी मुरीद थे और अभी भी हैं। 'अम्मी हुजूर ' ने अपने वारिस, गद्दीनशीन शहजादा पप्पू सरकार को अन्य भक्तजनों की उपस्थिति में अपनी मृत्यु से छः महीने पूर्व ही यह बता दिया था कि उनका देहावसान 20 जनवरी 1983 को होगा। और उन्होंन अपने वारिस पप्पू सरकार को ही यह वसीयत भी की थी कि 'मैं इस जगह (दरबार में) परलोक सिधारूंगी और इस स्थान पर तुम अपने हाथों से मेरा अंतिम संस्कार करना। और सब कुछ उसी तरह हुआ। आज भी 14 से 20 जनवरी तक उसी स्थान पर 'अम्मी हुजूर ' की याद में उनका साप्ताहिक विशाल उर्स विशाल आयोजित होता है।

परन्तु यह तो चंद ऐसे लोगों की अपनी मृत्यु सम्बन्धी भविष्यवाणियां हैं जिन्हें जानकर लोग आश्चर्यचकित होते हैं। परन्तु आम जीवन में भी तमाम लोग ऐसे मिल जाते हैं जो बिना कुछ जाने बुझे, बिना किसी तर्क व तथ्य के इस तरह की बातें करते रहते हैं। सीधे शब्दों में प्रकृति की व्यवस्था पर भी अपना नियंत्रण बताने जैसे भद्दा प्रयास करते हैं। ऐसे ही मेरे एक पारिवारिक सम्बन्धी थे श्याम लाल जी। बेहद चुस्त दुरुस्त व साफ सुथरे रहने वाले श्याम लाल जी 75 वर्ष की आयु में साईकिल चलाकर लगभग प्रतिदिन मेरे घर आते थे। एक बार बातों बातों में उनके मुंह से निकला कि '100 साल तक तो मैं कहीं नहीं जाता। मेरी बात नोट कर लो'। इसके पहले उन्होंने कभी इस तरह की बात नहीं की थी। इस भविष्यवाणी के बाद श्यामलाल जी पूरा एक वर्ष भी नहीं गुजार सके और चल बसे।

पिछले दिनों ऐसा ही एक दावा उस समय चर्चा में आया जबकि 89 वर्ष की आयु में हरियाणा के 5 बार मुख्यमंत्री रहे चौधरी ओम प्रकाश चौटाला का निधन हो गया। अभी कुछ महीने पहले ही हरियाणा का विधानसभा चुनाव संपन्न हुआ है। चुनाव में उन्होंने काफी सक्रिय भूमिका निभाई थी। चुनाव से पहले उन्होंने खुद को स्वस्थ बताया था और न केवल सार्वजनिक सभाओं में बल्कि मीडिया से निजी बातचीत के दौरान भी कहा था कि मैं पूरी तरह स्वस्थ हूँ और मैं 115 साल तक जिऊंगा।

परन्तु गत 20 दिसंबर को जब 89 वर्ष की आयु में उन्होंने अपने नश्वर शरीर को त्यागा उस समय जहां उनके राजनैतिक जीवन व हरियाणा के विकास के लिये उनके द्वारा किये गए कार्यों को याद किया जा रहा था वहीँ उनकी मृत्यु सम्बन्धी भविष्यवाणी को भी लोगों ने याद किया कि वह किस तरह गलत साबित हुई।

अब एक बार फिर इसी तरह की अपनी ही मृत्यु की भविष्यवाणी को लेकर तिब्बतियों के धर्मगुरु दलाई लामा का नाम चर्चा में आया है। गत दिनों हिमाचल प्रदेश के मैक्लोडगंज स्थित मुख्य बौद्ध मंदिर में दलाई लामा की दीघार्यु के लिए एक प्रार्थना सभा आयोजित की गयी। इसे संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि वह 100 से 110 वर्ष की आयु तक जीवित रहेंगे। "मेरा पूरा जीवन बौद्ध धर्म के प्रति समर्पित रहा है और आगे भी ऐसे ही समर्पण की भावना से बौद्ध धर्म के प्रचार व प्रसार सहित तिब्बती समुदाय के लोकहित के प्रति काम करता रहूंगा।" दलाई लामा ने अपने अनुयायियों को पूरा भरोसा दिलाया कि वह 100 से 110 वर्ष की आयु तक उनकी सेवा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि "मेरा यह आत्मबल भी है और प्रार्थना भी है। मैं इसके लिए प्रार्थना भी करता हूं कि मेरा यह प्रयास दूसरों के हितों की रक्षा करने व उनकी मदद करने को लेकर सफल हो।" अब देखना होगा कि 89 वर्ष की आयु में उनके 100 से 110 वर्ष की आयु तक जीवित रहने का उनका आत्मबल व उनकी प्रार्थना कितनी कारगर व सटीक साबित होती है।

परन्तु वास्तविकताओं पर आधारित इन धारणाओं के बीच कि मृत्यु के बारे में कोई नहीं जानता कि उसकी मौत कब, कहाँ और कैसे आनी है। उसके बावजूद यदि अपवाद स्वरूप किसी भविष्यवक्ता, अध्यात्मवादी संत अथवा महापुरुष की ऐसे भविष्यवाणी सही हो जाये तो निश्चित रूप से उसकी भविष्यवाणी उसके व उसके अद्वितीय व्यक्तित्व के विषय में बहुत कुछ सोचने को मजबूर कर देती है। अन्यथा सामान्य लोगों को तो इस तरह की भविष्यवाणियों से परहेज ही करना चाहिये। क्योंकि ऐसी भविष्यवाणियों का सीधा सा अर्थ है उस सर्वशक्तिमान अथवा ईश्वरीय सत्ता व उसकी व्यवस्था में दखल अंदाजी की कोशिश करना जोकि सर्वथा अनुचित है।

आओ, नव वर्ष पर विकसित भारत बनाने का संकल्प लें

–डॉ सत्यवान सौरभ–

आधी रात को, जब दुनिया सोती है, भारत जीवन और स्वतंत्रता के लिए जागेगा"। जवाहरलाल नेहरू का यह "ट्रिस्ट विद डेस्टिनी" भाषण उस सपने का प्रतीक था जिसे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने पूरा किया था। इसने हमें, भारत के लोगों द्वारा पालन किए जाने वाले अगले सपने का विजन भी दिया। भारत के बारे में गांधी का दृष्टिकोण हमारे देश के आत्मनिर्भर विकास के लिए घरेलू औद्योगीकरण को बढ़ावा देना था। उनका विचार था कि ग्रामीण भारत भारत के विकास की रीढ़ है। यदि भारत को विकास करना है, तो ग्रामीण क्षेत्र का भी समान विकास होना चाहिए। वह यह भी चाहते थे कि भारत गरीबी, बेरोजगारी, जाति, रंग पंथ, धर्म के आधार पर भेदभाव जैसी सभी सामाजिक बुराइयों से मुक्त हो, और सबसे महत्वपूर्ण रूप से निचली जातियों (दलितों) के खिलाफ अस्पृश्यता को समाप्त करे जिन्हें वह 'हरिजन' कहते हैं। ये दर्शन भारत के तत्कालीन समाज के सामाजिक स्तर को दशार्ते हैं। स्वतंत्रता के 75 वर्षों के बाद भी हम अभी भी इन सामाजिक मुद्दों को भारत में कायम पाते हैं। हमारे संविधान की प्रस्तावना भारत को संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और गणतंत्र देश के रूप में निर्दिष्ट करती है। आइए देखें कि इस परिभाषा को सच करने के लिए हमने भारत के नागरिक के रूप में अपने सपने को कैसे पूरा किया है। 100 वर्षों के स्वतंत्रता संग्राम के बाद हम इस सपने को साकार करने में सक्षम हुए हैं। शीत युद्ध के दौर में भी जब दो महाशक्तियां अमेरिका और सोवियत संघ एक-दूसरे का मुकाबला करने के लिए गठबंधन बना रहे थे, हमने अपनी संप्रभुता को बनाए रखने के लिए किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होने के लिए गुटनिरपेक्षता का विकल्प चुना। यद्यपि संयुक्त राष्ट्र द्वारा उपनिवेशवाद पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन नव-उपनिवेशीकरण के समान अंतरराष्ट्रीय दुनिया में अपनी जड़ें जमा रहा है। नव उपनिवेशीकरण को अन्य राज्यों द्वारा राज्यों की नीतियों पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण के रूप में परिभाषित किया गया है। हाल ही में हमने भारत और अन्य अविकसित देशों जैसे अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) बीजों को पेश करने और विकसित देशों से कृषि आयात के लिए बाजार को उदार बनाने के लिए दबाव देखा है। जीएम बीज कृषि का निजीकरण करते हैं और इस प्रकार मिट्टी की गुणवत्ता के साथ-साथ भारत के किसानों की सामाजिक स्थिति के लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा करते हैं। भारतीय मिट्टी के अनुकूल बीजों के विकास में अनुसंधान पर अमेरिका द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत को लगातार निशाना बनाया गया है। भारत की संप्रभुता के लिए खतरे का अन्य उदाहरण वैश्विक आतंकवाद के माध्यम से है। भारत 26/11 और पठानकोट में उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले का गवाह रहा है। बोडोलैंड की मांग के लिए असम अलगाववादी आंदोलन से भारत नक्सलियों और पूर्वोत्तर में उग्रवादियों से उग्रवादी गतिविधियों का भी सामना करता है। इन गतिविधियों से निर्दोष जीवन की हानि होती है और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है जिससे देश के विकास में बाधा उत्पन्न होती है। इस सपने को जिंदा रखने के लिए हमें इन गतिविधियों के खिलाफ एकता दिखानी होगी। इंटरनेट पर एकाधिकार करने के लिए फेसबुक के खिलाफ भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के फैसले का उदाहरण भारत के लोगों द्वारा मजबूत सर्वसम्मत अस्वीकृति के कारण था। हमारे पहले प्रधान मंत्री देश की योजना और विकास में सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका के विचार के थे। उद्योगों का उदारीकरण 1991 के बाद ही हुआ, लाइसेंस राज खत्म हुआ। हाल ही में हमने भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के माध्यम से धन का प्रवाह देखा। अगर हम करीब से देखें तो हमने भारत के अधिकतम क्षेत्रों में 100% एफडीआई नहीं खोला है। बाजार का निजीकरण निस्संदेह गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के साथ समाज में सर्वश्रेष्ठ प्रतिस्पर्धा प्रदान करता है। लेकिन अगर हम इसे अपनाते हैं, तो बाजार में केवल उन्हीं उत्पादों की आपूर्ति होगी जिनकी मांग है और जिससे वे अन्य आवश्यक आपूर्तियों की उपेक्षा करते हुए लाभ कमा सकते हैं। साथ ही समाजवादी समाज का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के लिए समान परिणाम प्राप्त करना, नौकरियों में समान अवसर प्रदान करना, न्यूनतम मजदूरी प्रदान करना और भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि जैसी बुनियादी आवश्यकताओं को प्रदान करना है। वर्तमान में भारत गरीबी, अस्वस्थता, बेरोजगारी, भेदभाव के कारण दुर्व्यवहार, खराब शिक्षा आदि के कारण जागरूकता की कमी आदि से पीड़ित वंचितों की सबसे बड़ी संख्या वाला देश है। इन सामाजिक मुद्दों पर अंकुश लगाने के लिए सक्रिय रूप से संगठनों का गठन करते हुए हमें भारत के नागरिक के रूप में सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों को ईमानदारी से लागू करने में सक्रिय होना चाहिए। भारत अनेकता में अपनी एकता पाता है। आजादी के बाद हुए साम्प्रदायिक दंगों के बाद भारत को यह बात समझ में आ गई कि किसी भी धर्म का पक्ष लेने से भारत को लंबे समय तक नुकसान उठाना पड़ता है। लेकिन आज भी हम समाज में धार्मिक घृणा पाते हैं। इतने सालों में हमने 1984 के सिख दंगों, 2002 के गोधरा कांड, 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों, बाबरी मस्जिद के विध्वंस और कई अन्य के रूप में सांप्रदायिक दंगे देखे हैं। धार्मिक राजनीति ने भारतीय राजनीति में अपनी जड़ें जमा ली हैं। बीफ खाने पर हालिया प्रतिबंध और 'घर वापसी', 'लव जेहाद' आदि जैसे आंदोलन धर्मनिरपेक्षता के मूल मूल्यों के खिलाफ हैं। धर्म के नाम पर कही गई बातों पर आंख मूंदकर विश्वास न करने, विवेक का पालन करने के लिए जागरूकता फैलानी चाहिए। हम इस सपने तक पहुँचने से बहुत दूर हैं लेकिन हमें हार नहीं माननी चाहिए। समाज को इन धार्मिक संस्थाओं द्वारा लगाए गए अतार्किक कटौती का विरोध करना चाहिए। इस संबंध में हम देख सकते हैं कि लोकतंत्र ने भारतीय समाज में अपनी जड़ें जमा ली हैं। संघों का सक्रिय गठन, चुनाव प्रक्रियाओं में भागीदारी में वृद्धि, विवादित परिदृश्यों का शांतिपूर्ण समाधान देश के दूर-दराज के हिस्सों में भी सक्रिय रूप से देखा जाता है। असहिष्णुता को लेकर हाल के परिदृश्य ने एक बार फिर हमारे लोकतांत्रिक विश्वास की अटकलों को हवा दे दी है।

हम लगातार ऐसी स्थिति देखते रहे हैं जहां हम पाते हैं कि लेखक के विचारों के लेखन के खिलाफ धर्म द्वारा फतवा जारी किया जाता है। फेसबुक पर पोस्ट के कारण लोगों को जेल में डाला जा रहा है। साथ ही हम अपने देश में जाति आधारित राजनीति, धर्म आधारित राजनीति देखते हैं। राष्ट्रीय दल लोकतंत्र का कुरूप चेहरा दिखाते हुए लगातार गंदी राजनीति कर रहे हैं। लोकतंत्र वह शक्ति है जो लंबे ऐतिहासिक संघर्ष के बाद मिली है। हमें समाज की अज्ञानता को स्वतंत्रता के रूप में हमें मिले सर्वोत्तम उपहार को छीनने नहीं देना चाहिए। गणतंत्र भारत के नागरिक के रूप में हम अपने संविधान में सर्वोच्चता मानते हैं। 1976 के आपातकाल के समय हमारे संविधान को चुनौती का सामना करना पड़ा। प्राधिकरण द्वारा उनके व्यक्तिगत भविष्य के हित के लिए इसमें बड़े पैमाने पर संशोधन किया गया है। लेकिन जल्द ही सरकार ने देश के नागरिकों के कड़े विरोध को देखा और संविधान में निहित शक्ति को महसूस किया। इतने सालों के बाद हमने 105 बार संविधान में संशोधन किया है। प्राधिकारियों में निहित कई शक्तियों की फिर से जाँच की गई है और शासन के कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं, उदाहरण के लिए पंचायती राज आदि। न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका और स्वतंत्र निकायों में निहित संतुलित शक्ति ने नागरिकों को प्रभावी ढंग से शासन में योगदान करने में मदद की है। संविधान द्वारा प्रदत्त न्याय की इस भावना को कभी नहीं भूलना चाहिए। इस मशीनरी के प्रभावी ढंग से प्रसंस्करण में विश्वास रखना चाहिए। हमने कई मौकों पर अपने सपने को टूटते हुए देखा है लेकिन फिर भी हम हर मुसीबत की स्थिति से मजबूत और आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। स्वराज के महत्व को समझना चाहिए और इन सपनों को आगे बढ़ाने के लिए आक्रामक रूप से शुरूआत करनी चाहिए ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को भी बेहतर भविष्य प्रदान कर सकें। मैं डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के बेहतरीन उद्धरणों पर समाप्त करना चाहता हूं "सपने वह नहीं हैं जो आप नींद में देखते हैं, बल्कि वह हैं जो आपको सोने नहीं देते"।

गिरते पारे के बीच मानवता का संदेश देते डीएम व एसएसपी

शीतलहर के दृष्टिगत जिले के दोनों वरिष्ठ ऑफिसर पहुंचे नगर क्षेत्र

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

विगत दिनों मैदानी क्षेत्र में हुई बारिश व पहाड़ी क्षेत्र में हुई बर्फबारी के चलते तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है जिस कारण यात्रियों और हर की पैड़ी के आसपास गुजर बसर कर रहे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उक्त समस्या का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा आज हरिद्वार बस अड्डे से हर की पैड़ी क्षेत्र तक जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए। इस दौरान अलग-अलग स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था करते

हुए दोनों वरिष्ठ ऑफिसर्स द्वारा सूखी लकड़ी के पर्याप्त व्यवस्था करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। साथ ही मौके पर ही संबंधित लोगों को गरम-गरम चाय भी पिलाई गई एवं स्थानीय दुकानदारों को भी उक्त जरूरतमंद लोगों की आवश्यक सहायता हेतु भी कहा गया' यात्रियों हेतु बनाए गए रेन बसेरा का भी निरीक्षण करते हुए वहां की आवश्यक व्यवस्था हेतु संबंधित अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया डीएम व एसएसपी हरिद्वार की पहल का स्वागत करते हुए आमजन व स्थानीय नागरिकों द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

नए साल का स्वागत कर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार/ कनखल स्थित निर्मल संतपुरा आश्रम गुरुद्वारे में नवा साल गुरु ग्रन्थ साहिब दे नाल सत्संग आयोजित कर नए साल का स्वागत कर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में संगत द्वारा सुखमणि साहिब पाठ, बच्चों द्वारा कविता ज्ञान के साथ साथ भाई गुरमीत सिंह, भाई अमित सिंह, भाई आनंद सिंह सहारनपुर वाले ने कीर्तन सुनाकर संगत को निहाल किया। इस अवसर पर परमाध्यक्ष संत जगजीत सिंह शास्त्री ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नया वर्ष में पुरानी बातों को भुलाकर नए उम्मीद के साथ प्रवेश करना चाहिए। आपस में कटुता नहीं रहनी चाहिए। एक दूसरे की मदद और सहयोग करें तभी प्रभु का आशीर्वाद मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिस समाज और देश में लोग भाईचारे के साथ रहते हैं वह समाज और देश आगे बढ़ता ओर तरक्की करता है। पिछले वर्ष क्या रह गया और इस वर्ष क्या अच्छा करना है इस पर विचार करो। प्रभु भक्ति में मन लगाकर सभी अच्छे कार्य करो। इस अवसर पर अगम प्रीत कौर, फतेह सिंह, मिष्ठी, राजवीर सिंह, जोरावर सिंह, अगम प्रीत सिंह, रश्मीत कौर, मनिंदर कौर, गुरमीत सिंह, हरमीत सिंह, कुलदीप सिंह, सरबजीत कौर, इंदरजीत सिंह बिट्टू, अवनीत सिंह, अपनिंदर कौर, गगनप्रीत कौर, जसप्रीत कौर, नैनी, जसविंदर कौर, कीरत, महिंदर सिंह, हरविंदर सिंह, अंकुर, सुमन, सरबजीत सिंह, सतवंत सिंह, रविंद्र सिंह आदि सैकड़ों श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

कांग्रेस से मेयर प्रत्याशी अमरेश बालियान और पार्षद प्रत्याशियों ने बाल्मिकी मंदिर और रविदास मंदिर में माथा टेका

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार/ कांग्रेस से मेयर प्रत्याशी अमरेश बालियान और पार्षद प्रत्याशियों ने हरकी पैड़ी पर गंगा पूजन कर माया देवी, भैरव मंदिर, बाल्मिकी मंदिर और रविदास मंदिर में माथा टेका। इस अवसर पर अमरेश बालियान ने कहा कि बीजेपी सरकार कॉरिडोर लाकर व्यापारियों का उत्पीड़न करना चाहती है। धर्मनगरी में स्मैक का नशा बहुत फलफूल रहा है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा और उन्हें नशे की तरफ गिराया जा रहा है। विधायक रवि बहादुर और वरिष्ठ नेता वीरेंद्र रावत ने कहा कि जनता कांग्रेस के साथ है और कांग्रेस का बोर्ड बनेगा। निवर्तमान मेयर अनिता शर्मा ने कहा कि जैसा सहयोग उन्हें मिला ऐसा ही अमरेश बालियान और कांग्रेस पार्षद प्रत्याशियों को जनता देगी।

अपने कार्यकाल में उन्होंने बहुत विकास और जनहित के कार्य करवाए जिसका लाभ इस चुनाव में कांग्रेस को होगा। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष अमन गर्ग, मुरली मनोहर, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष कैश खुराना, कार्यकारी जिलाध्यक्ष लक्ष्य चौहान, राजबीर सिंह चौहान, महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता जोशी, अंजू मिश्रा, दीपिका गुप्ता, तनिषा गुप्ता, सरोज, सुमन, कमलेश, प्रियंका चौहान, राजीव भार्गव, सुनील कुमार, जेपी सिंह, शालू आहूजा, समर्थ अग्रवाल, नीतू बिष्ट, याज्ञिक वर्मा, निखिल सौदाई, उदयवीर सिंह चौहान, विशाल प्रधान, मनोज सैनी, अश्विन कौशिक, ओपी चौहान, कैलाश प्रधान, उपेंद्र कुमार, विकास चंद्रा, शहजाद, बीएस तेजियान, सत्येंद्र वशिष्ठ, अंकित चौहान, अमित राजपूत, सोनू शर्मा आदि उपस्थित थे।

नववर्ष पर मातहत पुलिस ऑफिसर्स से गर्मजोशी से मिले कप्तान

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

नववर्ष के आगमन पर आज एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा अपने कैंप कार्यालय में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान श्री डोबाल द्वारा सभी मातहत को मिठाई खिलाकर नववर्ष की शुभकामनाएं दी। एसएसपी हरिद्वार द्वारा अपराध के खिलाफ टीम वर्क को जरुरी बताते हुए और अधिक मेहनत पर जोर दिया। इस दौरन एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल, एसपी सिटी पंकज गैरोला, एएसपी/सदर जितेंद्र मेहरा, सीओ सिटी जूही मनराल, सीओ ज्वालापुर शान्तनु पाराशर, सीओ रुड़की नरेंद्र पंत, सीओ मंगलौर विवेक कुमार, सीओ लक्सर निहारिका सेमवाल, सीओ ट्रैफिक नताशा सिंह, सीओ राकेश रावत, सीओ जगदीश पंत, सीओ सुशील कुमार मौजूद रहे।

शराब तस्करो सहित सैकड़ो लीटर अवैध शराब बरामद

मिशन नेशनल न्यूज / प्रवीण सैनी

लक्सर पुलिस ने नए साल पर नशे के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए क्षेत्र में देर रात अलग-अलग जगह पर छापेमारी कर 12 शराब तस्करों को धर दबोचा आरोपी शराब तस्करों के कब्जे से पुलिस ने डेढ़ सौ लीटर अवैध कच्ची शराब भी बरामद की है बता दे निकाय चुनाव व नए साल के मद्देनजर हरिद्वार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोभाल के निर्देश देर रात तक चले देवभूमि मिशन अभियान के तहत लक्सर पुलिस ने शराब तस्करों की कमर तोड़कर रख दी जहां पूरी रात नशे का काला कारोबार करने वाले शराब तस्करों में हड़कप मचा रहा गिरफ्तार किए गए आरोपी हरिओम पुत्र उदल सिंह निवासी रामपुर रायघाटी, अनिल उर्फ नीला पुत्र सूरजभान निवासी खानपुर बरहमपुर, सुशील पुत्र रामपाल निवासी रामजी वाला थाना मंडावर उत्तर प्रदेश, वहीद हसन पुत्र शब्बीर हसन निवासी मुंडा खेड़ा खुर्द, मुकेश पुत्र बाबूराम निवासी सिद्धू, नरेंद्र पुत्र राजा राम निवासी चिड़ियापुर, पप्पू पुत्र रूप राम निवासी सुल्तानपुर, धर्मवीर पुत्र बूंदी राम निवासी शेखपुरा, प्रीतम पुत्र श्याम सिंह निवासी महाराजपुर कला, ममता पुत्र राम निवासी वार्ड नंबर 1 लक्सर, पंजाब सिंह पुत्र साधुराम निवासी कुआं खेड़ा लक्सर के निवासी है पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस टीम में, कोतवाल राजीव रौथाण, एस अस आई मनोज गैरोला, एसआई लोकपाल परमार, एसआई नवीन चौहान, एस-1आई कमलकांत रतूडी, एसआई कर्मवीर सिंह, एसआई दीपक चौधरी, आदि मौजूद रहे।

खानपुर विधायक उमेश कुमार का निर्दलीय मेयर प्रत्याशी श्रेष्ठा राणा को मिला समर्थन,उमेश कुमार ने कहा ऐतिहासिक होगी जीत

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

रुड़की नगर निगम चुनाव में एक दिलचस्प मोड़ आ गया है जहां भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशी चुनाव मैदान में है तो वहीं निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में यशपाल राणा की पत्नी श्रेष्ठा राणा चुनाव मैदान में हैं। खानपुर से विधायक उमेश कुमार ने यशपाल राणा की पत्नी श्रेष्ठा राणा को अपना समर्थन दिया है। इस दौरान खानपुर विधायक उमेश कुमार ने दावा किया कि यशपाल राणा की पत्नी श्रेष्ठा राणा ऐतिहासिक जीत दर्ज कर रुड़की में मेयर बनेंगी। विधायक ने कहा कि राणा रुड़की में बड़े पैमाने पर विकास कराएंगी। लंबे समय से नगर में बनी जल भराव की समस्या से लोगों को निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने यशपाल राणा की पत्नी को समर्थन अपने समर्थकों और शहर की जनता से विचार विमर्श करने के बाद दिया है।यशपाल राणा ही रुड़की का विकास कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि रुड़की की जनता बेहद समझदार है जो अपना निर्णय बड़े सोच समझकर करती है। इस बार शहर की जनता ने यशपाल राणा की पत्नी से को अपना समर्थन देकर ऐतिहासिक जीत दर्ज कराएगी।इस मौके पर श्रेष्ठा राणा के पति यशपाल राणा ने कहा कि उन्हें पूरी आशा है कि शहर की जनता का उन्हें आशीर्वाद मिलेगा।आज तक नगर निगम क्षेत्र में कोई विकास नहीं हुआ जिसके चलते रुड़की शहर विकास से कोसों दूर होता चला गया। इस मौके पर कपिल त्यागी,मुसर्रत अली,जहांगीर आलम,संजय मिश्रा,तेज सिंह राणा,देवेंद्र राणा, प्रेम सिंह चौहान,तबरेज प्रधान, डॉ चंदन शर्मा,पूर्व पार्षद चंद्रशेखर जाटव ,सोमपाल,राजन आदि सैंकड़ों लोग मौजूद रहे

जिला परियोजना प्रबंधक की उपस्थिति में सरस विपणन केंद्र का वेस्ट फ्लावर मैनेजमेंट गतिविधि के लिए निरीक्षण सम्पन्न

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, जनपद के जमालपुर कलां में, दिनांक 01 जनवरी 2025 को मुख्य विकास अधिकारी महोदया के निर्देशन में सरस विपणन केंद्र का निरीक्षण वेस्ट फ्लावर मैनेजमेंट गतिविधि के लिए किया गया। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक, ग्रामोत्थान परियोजना, आर्किटेक्ट, और इरिमा टीम उपस्थित रहे। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य वेस्ट फ्लावर मैनेजमेंट गतिविधि के लिए विपणन केंद्र को तैयार करना और इसके लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन करना था।

जिला परियोजना प्रबंधक ने निरीक्षण के दौरान उपस्थित टीम को निर्देशित किया कि इस गतिविधि से संबंधित सभी कार्य आगामी 15 जनवरी 2025 तक पूर्ण कर लिए जाएं। इस दिशा में, आर्किटेक्ट और इरिमा टीम ने विपणन केंद्र की मौजूदा संरचना का गहन मूल्यांकन किया और आवश्यक सुधार और उन्नयन के सुझाव दिए। यह सुनिश्चित किया गया कि कार्य योजना न केवल समयबद्ध हो, बल्कि इस परियोजना की गुणवत्ता और दीर्घकालिक प्रभाव को भी ध्यान में रखे।

वेस्ट फ्लावर मैनेजमेंट की महत्ता

हरिद्वार जैसे धार्मिक और पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र में फूलों के अपशिष्ट को प्रबंधित करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है। गंगा नदी के घाटों और मंदिरों में बड़ी मात्रा में फूलों का उपयोग होता है, जो बाद में अपशिष्ट के रूप में जल प्रदूषण और पर्यावरणीय समस्याएं उत्पन्न करते हैं। वेस्ट फ्लावर मैनेजमेंट के अंतर्गत इन फूलों को पुनर्चक्रण कर उपयोगी उत्पाद, जैसे जैविक खाद, अगरबत्ती, धूपबत्ती और प्राकृतिक रंग, बनाने की योजना है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण महिलाओं और स्वसहायता समूहों को रोजगार के अवसर प्रदान करने में भी सहायक होगी।

कार्य योजना और समय सीमा

जिला परियोजना प्रबंधक ने यह सुनिश्चित किया कि सभी संबंधित विभाग और टीम आपसी समन्वय से कार्य करें। विपणन केंद्र के उन्नयन और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जल, विद्युत, और अन्य बुनियादी सेवाओं को शीघ्र स्थापित करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करना प्राथमिकता है, ताकि मुख्य विकास अधिकारी महोदया के निर्देशन में यह गतिविधि शीघ्र शुरू की जा सके।

आर्थिक और सामाजिक प्रभाव

वेस्ट फ्लावर मैनेजमेंटः- परियोजना न केवल हरिद्वार के पर्यावरण को स्वच्छ बनाएगी, बल्कि स्थानीय समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त भी करेगी। इस गतिविधि के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं और स्वसहायता समूह स्थायी आय अर्जित कर सकेंगे। साथ ही, यह पहल हरिद्वार को एक मॉडल जिला बनाने में मदद करेगी, जहां पर्यावरणीय समस्याओं का नवाचार और समर्पण से समाधान किया जाता है।

भविष्य की दिशा और दृष्टिकोण

यह परियोजना हरिद्वार में हरित और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है। जिला प्रशासन और ग्रामोत्थान परियोजना की टीम ने यह सुनिश्चित किया है कि सभी हितधारकों के बीच समन्वय और सहयोग स्थापित हो। आने वाले समय में, इस मॉडल को राज्य के अन्य जिलों में भी लागू करने की संभावना पर विचार किया जाएगा। इस प्रकार, मुख्य विकास अधिकारी महोदया के मार्गदर्शन में सरस विपणन केंद्र का निरीक्षण, वेस्ट फ्लावर मैनेजमेंट गतिविधि की योजना के लिए न केवल पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करती है, बल्कि हरिद्वार में सामाजिक और आर्थिक विकास की नई संभावनाएं भी उत्पन्न करती है।

दून के वार्ड नंबर 48 की बीजेपी उम्मीदवार कमली भट्ट का पार्षद चुनाव खतरे में, आय से अधिक संपत्ति और नगर निगम की भूमि पर कब्जे को लेकर हुई शिकायत

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून के वार्ड नंबर 48 की बीजेपी उम्मीदवार कमली भट्ट का पार्षद चुनाव खतरे में, आय से अधिक संपत्ति और नगर निगम की भूमि पर कब्जे को लेकर हुई शिकायत शिकायत के बाद सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिये नियमानुसार कार्रवाई के आदेश आय से अधिक संपत्ति मामले में हाईकोर्ट से नोटिश जारी, 07 जनवरी को है मामले की सुनवाई

देहरादून। दून नगर निगम के वार्ड 48 से भाजपा की पार्षद उम्मीदवार कमली भट्ट के चुनाव खतरे में पड़ गया है। आरटीआई एक्टिविस्ट एडवोकेट विकेश नेगी ने नगर आयुक्त और नगर निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की है कि कमली भट्ट ने चुनाव में अपनी एक संपत्ति की घोषणा छिपा दी है। इसके अलावा उनका घर सरकारी जमीन पर अतिक्रमण है जो कि चुनाव नियमों के खिलाफ है।

एडवोकेट विकेश नेगी ने निर्वाचन अधिकारी से मांग की है कि कमली भट्ट का नामांकन रद्द किया जाए। निगम चुनाव अधिकारी को बुधवार को दी गयी शिकायत में एडवोकेट विकेश नेगी ने कहा कि 2018 में कमली भट्ट ने चुनाव आयोग को जो संपत्ति का विवरण दिया है उसमें साझीदार में 376 वर्ग मीटर की भूमि का उल्लेख छिपा दिया था। यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन था। कमली भट्ट पार्षद रहते हुए एक अन्य सरकारी भूमि भी पद का दुरुपयोग करते हुए 23 मार्च 2023 को बेच दी थी।कमली भट्ट का नामांकन रद्द करने की मांग

एडवोकेट नेगी का आरोप है कि कमली भट्ट ने अपना जो पता दशार्या हुआ है कि वह नगर निगम की भूमि पर है और नगर निगम की धारा 13 घ का उल्लंघन है। इसमें स्पष्ट कहा गया है कि यदि किसी का सरकारी भूमि पर अतिक्रमण है तो वह निगम का सदस्य नहीं बन सकता है। इसके अलावा विकेश नेगी ने कमली भट्ट के खिलाफ अदालत में भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत एक वाद भी दायर किया है। इस मामले की सुनवाई चल रही है। इसकी जांच विजिलेंस भी कर रही है। एडवोकेट विकेश नेगी का कहना है कि कमली भट्ट ने पार्षद के तौर पर अपने पद का दुरुपयोग किया है। उन्होंने चुनाव अधिकारी से मांग की है कि कमली भट्ट का नामांकन रद्द किया जाएं। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिये नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश आरटीआई एक्टि-विस्ट और एडवोकेट विकेश नेगी की आपत्ति का तत्काल संज्ञान लेते हुए सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी ने नगर निगम के रिटर्निंग आफिसर को इस संबंध में नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। इस संबंध में वार्ड 48 बद्रीश कालोनी से भाजपा के टिकट पर पार्षद का चुनाव लड़ रही कमली भट्ट के नामांकन पत्र के विरुद्ध दाखिल की गयी आपत्तियों को लेकर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं।

सुबह 9:00 बजे से 5:00 बजे तक 8 घंटे विद्युत आपूर्ति बंद रही

मिशन नेशनल न्यूज / शमशाद अहमद

लक्सर,उत्तराखंड, सुल्तानपुर क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांव में बुधवार को सुबह 9:00 बजे से 5:00 बजे तक 8 घंटे विद्युत आपूर्ति बंद रही। जिससे ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों को कहना है कि ऊर्जा निगम के अधिकारियों से मांग करने के बावजूद भी विद्युत व्यवस्था में सुधार नहीं हो पा रहा है।

रायसी बिजली उपकेंद्र के निरंजनपुर फिटर से खानपुर ब्रह्मपुर, बाकरपुर कंकरखाता, शिवपुरी, रणजीतपुर, भिक्कमपुर, अलावलपुर, रामपुर रायघटी, काबूलपुरी रायघटी आदि एक दर्जन से अधिक गांव को विद्युत आपूर्ति की जाती है। बुधवार को दिन के समय सुबह से ही बिजली गुल हो गई थी।

संजय कुमार राहुल अमित कुमार सोनू दीपक कुमार संदीप मुकेश कुमार आदि ग्रामीणों का कहना है कि, क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। कभी अघोषित विद्युत कटौती, कभी रोस्टिंग तो कभी लाइन पर कार्य कराए जाने के नाम पर आए दिन 8 से 10 घंटे विद्युत कटौती की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि, लंबी विद्युत कटौती होने से विद्युत उपकरण नहीं चल पा रहे हैं। जिससे काफी दिक्कत सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को भी सुबह 9:00 बजे बिजली चली गई थी। इसके बाद ऊर्जा निगम के अधिकारियों से मांग करने के बावजूद 8 घंटे बाद शाम करीब 5:00 बजे विद्युत आपूर्ति सुचारू हुई। इसके बावजूद भी बिजली बीच-बीच में आती जाती रही है।

ऊर्जा निगम के एसडीओ राकेश गुप्ता का कहना है कि बुधवार को विद्युत लाइन पर कार्य चलने की वजह से शट डाउन लिया हुआ था। शाम करीब 5:00 विद्युत आपूर्ति सुचारु कर दी गई थी।

कांग्रेस प्रत्याशी का पर्चा निरस्त होने पर विधायक काजी निजामुद्दीन ने उठाए सरकार पर सवाल-बोले हमें आपका यह डर अच्छा लगा...

मिशन नेशनल न्यूज / शमशाद अहमद

मंगलौर। कांग्रेस से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी चौधरी इस्लाम का नामांकन पत्र निरस्त होने के बाद विधायक काजी निजामुद्दीन ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने इसे लोकतंत्र की हत्या बताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा ने हार के डर से यह काम किया है। उन्होंने कहा कि यह डर उन्हें अच्छा लगा। मंगलौर से कांग्रेस से पूर्व पालिका अध्यक्ष चौधरी इस्लाम ने नामांकन दाखिल किया था। इसके साथ ही दो अन्य पर्चे भी डमी प्रत्याशी के रूप में उनके द्वारा दाखिल किए गए थे। वहीं तीनों पर्चे निरस्त हो गए। जिसके बाद कांग्रेस विधायक काजी निजामुद्दीन ने सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि जानबूझकर हार के डर से कांग्रेस प्रत्याशी का पर्चा निरस्त करवाया गया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए उप चुनाव में भाजपा ने जीतने के लिए लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास किया कई उल्टे सीधे हतकंडे अपनाने के बाद भी भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा। काजी ने कहा कि अब भाजपा को पता था कि उनकी हार निश्चित है तो उन्होंने तीनों पर्चे निरस्त करवाए। उन्होंने कहा भाजपा हार के डर से इस प्रकार के कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह डर अच्छा लगा। प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष एवं झबरेड़ा विधायक वीरेंद्र जाती ने कहा कि आगे के निर्णय के लिए हाईकमान से वार्ता की जाएगी।

कलियर पुलिस की नये साल पर धमाकेदार शुरूआत नशे का कारोबारी हिस्ट्रीशीटर को 3.5 किलो गांजा के साथ किया गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

पिरान कलियर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा नशा माफियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक देहात व क्षेत्राधिकारी रुड़की के दिशा निर्देश में थाना क्षेत्र में ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही करने के लिए थाना स्तर पर टीम प्रयासरत थी। जिस-के क्रम में कलियर थाना पुलिस द्वारा मंगलवार को कलियर थाना क्षेत्र में जाकिर पुत्र ताहिर निवासी रहीश कॉलोनी मुकरपुर को साढे तीन किलो (3.5 ड्ड्रह्य) गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। जो थाने का हिस्ट्रीशीटर है और इसके खिलाफ दर्जनों मुकदमे एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज है। जाकिर पुत्र ताहिर के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है। और अपराधिक इतिहास हिस्ट्री शीटर है। इस दौरान पुलिस टीम थानाध्यक्ष दिलबर सिंह नेगी, उप निरीक्षक वीरेन्द्र नेगी, जमशेद अली, रविन्द्र बालियान, सुशील शामिल रहे।

अतिरिक्त कार्यों का कोई एक्सक्यूज नहीं, अपनी कोर्ट में समय देकर भू कानून सम्बन्धी वादों का करें निपटाराः डीएम

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने देर शाम ऋषिपर्णा सभागार कलेक्टेज्ट में धारा 166, 167, 154, 157 के वादों की स्थिति की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि तहसीलों में लंबित मामलों का शीघ्र समयबद्ध तरीके से लंबित मामलों का निस्तारण करना सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी उपजिलाधिकारी अपनी-अपनी तहसीलों में वादों के निस्तारण की स्थिति के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही तथा निस्तारित कर वादों के निस्तारण विस्तृत रिपोर्ट प्रत्येक सप्ताह प्रस्तुत करें। जहां पर सम्बन्धित व्यक्ति नही मिल रहा है उसके लिए समाचार पत्रों के माध्यम से तामिली कराते हुए निस्तारण की कार्यवाही की जाए तथा इस कार्य को गंभीरता करें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि वादों के निस्तारण में गंभीरता दिखाते हुए एक माह के भीतर वादों को करें निस्तारित करें साथ ही निर्देशित किया प्रभावी तामिली कराते हुए धारा 166, 167, 154, 157 के वादों को निस्तारित करते हुए गूगल सीट में अद्यतन करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन जयभारत सिहं, उप मुख्यालय शालिनी नेगी, उप जिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार उपस्थित रहे तथा उप जिलाधिकारी सदर हरिगिरि, डोईवाला अपर्णा ढौंडियाल, ऋषिकेश स्मृति परमार, वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

फ्लैगशिप प्रोजेक्ट वाईब्रेंट विलेज प्रोग्राम में सीमावर्ती गाँवो का होगा सर्वांगीण विकास

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून मुख्य सचिव राधा रतूड़ी की उपस्थिति में सचिवालय में उत्तराखण्ड पर्यटन विकास बोर्ड एवं मुख्यालय उत्तरी सीमांत, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के मध्य उत्तराखण्ड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किया गया है। मुख्य सचिव ने जानकारी दी कि भारत सरकार के फ्लैगशिप प्रोजेक्ट वाईब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत सीमावर्ती क्षेत्र के गाँवो के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी गई है तथा ग्रामीणों की आजीविका हेतु संसाधन उपलब्ध कराना भी मुख्य उद्धेश्य है। उत्तराखण्ड पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा सीमांत क्षेत्र में पर्यटन को बढावा देने हेतु सीमांत क्षेत्र में हैली सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। उत्तराखण्ड के सीमांत क्षेत्र में प्रसिद्ध धार्मिक पर्यटन स्थल जैसे कि आदि कैलाश, ओम पर्वत, तिम्मरसैंण महादेव इत्यादि स्थित हैं जहाँ दुर्गम रास्तों के कारण पर्यटकों को पहुँचने में असुविधा होती है। इन सभी को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड सरकार द्वारा पर्यटकों को हैली सुविधा उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया है। जिसमें भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के कार्यक्षेत्र में उपलब्ध हैलीपैडों का उपयोग किया जाएगा। इसके अतिरिक्त वाईब्रेंट विलेज में रहने वाले ग्रामीणों को आपातकालीन चिकित्सा की आवश्यकता पड` पर दवाईयाँ उपलब्ध करवाने एवं हैली द्वारा हायर सेंटर ले जाने हेतु भी इन हेलीपैड का उपयोग किया जाएगा। उत्त-राखण्ड में तीन सीमांत जनपदों (उत्त-रकाशी, चमोली, पिथौरागढ़) में भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल की अग्रिम चौकियों में तैनाती है। इस अवसर पर सचिव सचिन कुर्वे, संजय गुंज्याल महानिरीक्षक, उत्तरी सीमांत, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल, एवं उत्तराखण्ड पर्यटन विकास बोर्ड एवं आईटीबीपी के अधिकारी उपस्थित रहे।

व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर, उत्तराखंड, सुल्तानपुर क्षेत्र स्थित एक स्टोन क्रेशर में ट्रैक्टर ट्राली में खनन सामग्री भरवाते समय एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मामले की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया है।

मंगलवार रात्रि थीथोला गांव निवासी इरफान पुत्र जीवन उम्र 36 वर्ष ट्रैक्टर ट्राली लेकर सुल्तानपुर क्षेत्र स्थित एक स्टोन क्रेशर में कंस्ट्रक्शन कार्य के लिए खनन सामग्री लेने के लिए गया था। बताया जा रहा है कि, ट्रैक्टर ट्राली में लोडर से खनन सामग्री भरते समय संदिग्ध परिस्थिति में ट्रैक्टर चालक इरफान की मौत हो गई। स्टोन क्रेशर में ट्रैक्टर चालक की मौत की जानकारी मिलते ही सन्नाटा छा गया। किसी ने मामले की सूचना सुल्तानपुर पुलिस को दी। मामले की सूचना पर सुल्तानपुर पुलिस चौकी प्रभारी लोकपाल परमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। साथ ही मामले की जानकारी ली।

सुल्तानपुर पुलिस चौकी प्रभारी लोकपाल परमार ने बताया कि ट्रैक्टर चालक इरफान पुत्र जीवन उम्र 36 वर्ष निवासी थीथोला की ट्रैक्टर ट्राली में खनन सामग्री भरवाते समय खनन सामग्री में दबने से मौत हो गई है। इरफान के शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मामले की जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा जनमानस के साथ मिलकर नशा मुक्त समाज की शपथ दिलाई गई

मिशन नेशनल न्यूज / शमशाद अहमद

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय जिला हरिद्वार के आदेशानुसार नशा मुक्त उत्तराखंड अभियानग्के अंतर्गत आज जनमानस के साथ मिलकर नशा मुक्त समाज की शपथ समारोह का आयोजन किया गया जिसमे प्रभारी निरीक्षक भगवानपुर /वरिष्ठ उप निरीक्षक / सभी चौकी प्रभारी व उपनिरीक्षक गणो द्वारा थाना क्षेत्र पर अलग अलग स्थानो जैसे ग्राम चौली शहाबुदीनपुर, ग्राम सिकन्दरपुर, ग्राम तेज्जुपुर, ग्राम कस्बा भगवानपुर पर मौजूद ग्राम वासी /टैक्सी/आटो चालक/परिचालक/दुकानदारों के साथ अवैध मादक पदार्थ के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के संबंध जानकारी साझा की गई तथा नशा मुक्त उत्तराखंड अभियानग्के अंतर्गत नशा मुक्त समाज की शपथ दिलाई गई।

तथा अपने आसपास में नशा करने/वाले व्यक्तियों की काउंसलिंग कर उन्हे नशा मुक्त करने व नशा बेचने वाले व्यक्तियों की सूचना पुलिस को देने के सम्बन्ध में भी मौजूद व्यक्तियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई, ।मौजूदा समस्त व्यक्तियों द्वारा पुलिस की इस पहल को सराहा/पूर्ण सहयोग का आश्वासन भी दिया गया।

निर्दलीय प्रत्याशी डायरेक्टर वरिस अहमद ने खेल टूनार्मेंट का फीता काटकर शुभारंभ किया

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर, उत्तराखंड, लक्सर तहसील क्षेत्र के सुल्तानपुर नगर पंचायत में निर्दलीय प्रत्याशी डायरेक्टर वरिस अहमद ने खेल टूनार्मेंट का फीता काटकर शुभारंभ किया है, टूनार्मेंट शुरू करने से पहले निर्दलीय प्रत्याशी की मौजूदगी में सभी युवा खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय गान गाकर देश भक्ति में लीन दिखाई दिए हैं, इसके बाद खेल टूनार्मेंट का डायरेक्टर वरिस अहमद ने शुभारंभ करते हुए खिलाड़ियों का हौसला अफजाई किया हैं, वरिस अहमद ने कहा कि देहात क्षेत्र से कई प्रतिभा निकलकर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचती है, यही युवाओं से और अन्य लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए, ताकि खेलों के जरिए ही नई-नई प्रतिभाएं देहात क्षेत्र से निकलकर देश और प्रदेश का नाम ऊंचा कर सके, उन्होंने युवाओं के लिए सुल्तानपुर नगर पंचायत में खेल मैदान देने की भी घोषणा की है, जिससे युवाओं में निर्दलीय प्रत्याशी के प्रति काफी जोश देखने को मिला है।

उत्तराखंड : 3123 की नाइट में 14 करोड़ की शराब डाकर गए लोग, धूम धाम से मनाया गया नए साल का जश्न

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

31 दिसंबर की रात पूरी दुनिया ने नए साल का जश्न मनाया तो वही पर्यटन राज्य उत्तराखंड में सरकार की तमाम रियायतों के बाद नए साल की रात आबकारी विभाग के आंकड़े के अनुसार 14 करोड़ 26 लाख की शराब की बिक्री हुई है।

वी ओ झ कल देर रात पूरी दुनिया में नए साल का जश्न मनाया गया। दुबई से लेकर के दुनिया के सभी बड़े शहरों में नए साल का जश्न धूमधाम से मनाया गया। पर्यटन राज्य उत्तराखंड के पोटेंशियल की बात करें तो उत्तराखंड में भी लाखों की संख्या में पर्यटकों ने नए साल का जश्न मनाने के लिए रुख किया जिस्ाका अंदाजा उत्तराखंड में हुए जश्न और उसमें बिकी शराब से लगाई जा सकता है। यही नहीं उत्तराखंड के इस पोटेंशियल को देखते हुए उत्तराखंड सरकार ने भी नया साल के जश्न को धूमधाम से बनाने के लिए और राज्य की इकोनॉमी को बूस्ट करने के लिए कई रियायतें भी दी थी। उत्तराखंड सरकार ने नए साल का जश्न मनाने के लिए रेस्टोरेंट और पर्यटन जश्न से जुड़े होटल व्यवसाईयों को 24 घंटे खुले रहने की छूट दी थी तो वही सरकार के इस बढ़ावे का असर रेवेन्यू पर भी देखने को मिला। उत्तराखंड आबकारी विभाग ने केवल 31 दिसंबर के जश्न के चलते 142686204 रुपए का राजस्व प्राप्त किया है। आबकारी आयुक्त हरिश्चंद्र सेमवाल के अनुसार नए साल के जश्न को देखते हुए सरकार द्वारा नए साल के जश्न के मौके पर सभी होटल रेस्टोरेंट और बार को 24 घंटे खुले रहने के आदेश जारी किए थे। इसी के चलते आबकारी विभाग में बाढ़ संचालन की अनुमति रात को 2:00 बजे तक के लिए दी थी। उन्होंने कहा कि राज्य में न्यू ईयर के जश्न में पार्टी करने के लिए वन डे बार लाइसेंस भी उपलब्ध कराए गए थे। आबकारी विभाग के अनुसार

न्यू ईयर पार्टी के लिए तकरीबन 600 बार लाइसेंस जारी किए गए थे।

३१२३ नाइट न्यू ईयर पार्टी पर बिकी शराब का विवरण

उत्तराखंड आबकारी विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार बियर की बिक्री की बात की जाए तो देहरादून और नैनीताल में सबसे ज्यादा बिक्री हुई जहां पर पूरे प्रदेश में मिलाकर 9426 बियर की पेटी बिक्री हुई। वहीं इसके अलावा अंग्रेजी शराब की बात की जाए तो यह भी देहरादून और नैनीताल जिले में सबसे ज्यादा बिकी और पूरे प्रदेश भर में ३१२३ की नाइट 3761 अंग्रेजी शराब की पेटियां बिक्री हुई। इसी तरह से 600 से ज्यादा वनडे बार लाइसेंस दिए गए और देसी शराब की बात की जाए तो यह भी 31 दिसंबर को 11206 पेटियां बिक्री हुई और इस तरह से कुल मिलाकर ३१२३ दिसंबर को न्यू ईयर पार्टी के जश्न में कल 14 करोड़ 26 लाख 86 हजार 204 की शराब से राजस्व प्राप्त हुआ।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर 9 नशा तस्करो को नैनीताल पुलिस ने किया गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

नैनीताल नववर्ष के जश्न की आड़ में नैनीताल पुलिस द्वारा सम्पूर्ण जनपद में कड़ा चेकिंग अभियान चलाते हुए 8 अलग अलग मामलों में 9 तस्करो को गिरफ़्तार किया है।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर कल मंगलवार को थाना मुखानी, काठगोदाम, लालकुआ व बनभूलपुरा पुलिस ने 8 अलग-अलग मामलों में चरस स्मैक, शराब, चरस व नशीले इंजेक्शन के साथ 9 तस्करों को गिरफ्तार किया है।

थाना मुखानी पुलिस द्वारा क्षेत्रान्तर्गत कार्यवाही करते हुए आरटीओ रोड एस मोड़ के पास हरि ओम गंगवार पुत्र अनोखेलाल निवासी- पीली कोठी रोड के कब्जे से 11.72 ग्राम स्मैक बरामद कर गिरफ्तार किया गया है। वहीं टीम ने नाथूपुर पाडली के पास काला सिंह उर्फ गुरमिल पुत्र अवतार सिंह निवासी- कालिया वाला जसपुर के कब्जे से 71 पाउच कच्ची शराब बरामद की। दोनो अभियुक्तो के खिलाफ पुलिस ने थाना मुखानी में आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया है। थानाध्यक्ष काठगोदाम दीपक बिष्ट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान एक मोटर साईकल संख्या यूके04 एएन 5265 को रोकने पर 02 अभियुक्तो विनय पलडिया पुत्र रमेश चंद्र निवासी बांनना भीमताल व खीमानंद पलाडिया पुत्र ज्वाला दत्त पलाडिया निवासी बांनना भीमताल के कब्जे से क्रमशः 275 ग्राम व 381 ग्राम चरस कुल 656 ग्राम अवैध चरस बरामद किया। उक्त अभियुक्त गणों के विरुद्ध पुलिस ने धारा 8/20/60 एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।

कोतवाली लालकुंआ पुलिस ने अभियुक्त संजीव कुमार(32) पुत्र बिंद्रा प्रसाद निवासी- ग्राम लुप्ति आई थाना पूरनपुर जिला पीलीभीत उत्तर प्रदेश हाल निवासी- प्रेम ढाबा अवंतिका पुल को वार्ड नंबर एक अंबेडकर नगर लालकुआं से 61 पाउच कच्ची शराब खाम के साथ गिरफ्तार कर थाने में धारा 60 आबकारी अधिनियम दर्ज किया है।

पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त मोहित कुमार(32) पुत्र कृष्ण चंद्र निवासी हिम्मतपुर मोटा हल्दु सोनालपुर कोतवाली लाल कुआं जिला नैनीताल को गुमटी हल्दुचौड़ के पास से 96 पव्वे देसी शराब गुलाब मार्का के साथ गिरफ्तार कर थाने में धारा 60 आबकारी अधिनियम में दर्ज किया गया है।

थानाध्यक्ष बनभूलपुरा नीरज भाकुनी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान अभियुक्त शाहबाज(24) पुत्र चमन खाँ निवासी- वार्ड न0 6 इस्लाम नगर गदरपुर जिला उधम सिह नगर को अवैध स्मैक की तस्करी करते हुये इन्द्रानगर फाटक पुलिस चेक पोस्ट के पास 19 अदद नशीले इन्जेक्शन के साथ गिरफ्तार किया। अभियुक्त के खिलाफ पुलिस ने धारा -8/22 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली हल्द्वानी राजेश यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा कोतवाली हल्द्वानी क्षेत्रान्तर्गत चेकिंग के दौरान बलकार सिह(53) पुत्र अर्जुन सिंह निवासी-चितरंजनपुर न0 02 थाना दिनेशपुर जिला उधम सिह नगर के पास से 29 पाउच अवैध कच्ची शराब खाम बरामद कर गिरफ्तार किया गया। धारा 60(1) आब0अधि0 पंजीकृत किया गया। वहीं हल्द्वानी पुलिस द्वारा एक आए अभियुक्त कुलवन्त सिंह पुत्र गुरमुख सिंह निवासी ग्राम पूरनपूर आरटीओ रोड पूरनपुर मुखानी हल्द्वानी के पास से 40 पाउच अवैध कच्ची शराब खाम(लगभग 14 लीटर) बरामद कर गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के खिलाफ धारा 60(1) आबकारी अधिनियम दर्ज किया गया है।

5 रुपये का शातिर बदमाश को 5 पुलिस कर्मियों ने 5 बजे गिरफ्तार कर 05 बजे हवालात में किया दाखिल, ररढ ने पुलिस्ाकर्मियों को दिया 5 हजार रुपये का नकद ईनाम

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

05 रुपये का शातिर बदमाश को 05 पुलिस कर्मियों ने 05 बजे गिरफ्तार कर 05 बजे हवालात में किया दाखिल एसएसपी मणिकान्त मिश्रा ने 05 पुलिस कर्मियों को दिया, 05 हजार रुपये का नकद ईनाम गिरफ्तार शातिर अपराधी के परिवार में भी है कुल 05 सदस्य अपराधी की कुण्डली में 05 के अंक का रहा अभूतपूर्व योग आबादी क्षेत्र जाफरपुर थाना दिनेशपुर में दशहरे के दिन दिनांक 12.10.2024 को रात्रि में फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले वांछित पांच रुपये के ईनामी अभियुक्त को थाना दिनेशपुर पुलिस टीम द्वारा किया गिरफ्तार गिरफ्तारी से बचने के लिये लगातार बदलता रहा स्थान, हवालात में हुई नववर्ष की सुप्रभात अपराधियों ने यदि अपने इरादे नहीं बदले तो बड़ी से बड़ी कार्यवाही को रहें तैयार- मणिकांत मिश्रा एसएसपी ऊधमसिंहनगर

भाजपा नोएडा महानगर के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष का किया गया स्वागत

नोएडा : नव वर्ष की पूर्व संध्या पर भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर के श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष श्री रामकिशन यादव जी को बधाई दी गई एवं स्वागत किया गया। इस अवसर पर मंडल के पदाधिकारी मंडल महामंत्री अजीत पांडे जी ,मंडल उपाध्यक्ष देशराज सिंह जी, मंडल मंत्री पवन चौहान जी , सोशल मीडिया के जिला सदस्य श्री कपिल मेहरा जी ,जे एस तोमर जी एवं नितिन शर्मा जी , उपदेश तिवारी जी उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का संयोजन एवं सफल आयोजन भाजपा नोएडा महानगर के लघु उद्यमी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक श्री सचिन राणा जी के द्वारा किया गया एवं सभी ने धन्यवाद दिया।

सचिवालय के मुख्य गेट पर धरने पर बैठे बॉबी पंवार व बेरोजगार

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून प्रदेश के युवाओं की समस्याओं के समाधान के लिए मुख्य सचिव सहित अनेकों सचिवों से मिलने के लिए उत्तराखंड बेरोजगार संघ के अध्यक्ष व टिहरी संसदीय क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी रहे बॉबी पंवार नकली रुपयों से भरा अटैची लेकर सचिवालय पहुंचे और वहां पर सचिवालय मुख्य द्वार पर सुरक्षाकर्मियों रोक दिया गया है और कहा कि संबंधित सचिव को अवगत करा दिया गया है और जैसे ही वहां से कोई सूचना आती है तो उन्हें अंदर जाने दिया जायेगा। इस अवसर पर बॉबी पंवार ने कहा कि अब पांच बजे के बाद अटैची लेकर एंट्री करेंगें। इस दौरान बॉबी पंवार एवं संघ के अनेकों पदाधिकारी व बेरोजगार वहीं धरने पर बैठ गये और नारेबाजी के बीच प्रदर्शन करने लगे। इस अवसर पर नए साल के पहले दिन बेरोजगार संगठन के अध्यक्ष बॉबी पंवार ने सचिवालय के गेट पर एक अटैची में नकली नोट रखकर सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। इस अवसर पर उत्तराखंड बेरोजगार संघ के अध्यक्ष व टिहरी संसदीय क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी रहे बॉबी पंवार ने कहा है कि सचिवालय कोई पिकनिक स्पॉट नहीं है और न ही हम यहां पर पिकनिक मनाने नहीं आये है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कई दिनों से प्रदेश की मुख्य सचिव राधा रतूडी सहित अन्य सचिवों से मिलने के लिए समय मांग रहे है लेकिन किसी भी प्रकार से उन्हें कोई समय नहीं दिया जा रहा है और आज जब सचिवालय पहुंचे तो उन्हें सचिवालय के अंदर जाने के लिए पास तक नहीं दिया जा रहा है और सचिवालय के गेट पर ही रोक लिया गया जिससे बेरोजगार संघ के सभी पदाधिकारियों एवं बेरोजगारों ने आक्रोश व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि बार बार सचिवालय में मुख्य सचिव सहित अन्य सचिवों से मिलने के लिए सुरक्षाकर्मियों से अनुरोध करते हुए आ रहे है लेकिन वह अंदर नहीं जाने दे रहे है और जब सचिवालय में अंदर नहीं जा सकते है तो इसके क्यों बनाया गया है। इस अवसर पर उत्तराखंड बेरोजगार संघ के अध्यक्ष व टिहरी संसदीय क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी रहे बॉबी पंवार ने कहा है कि सचिवालय कोई पिकनिक स्थान नहीं है और न ही हम यहां पर पिकनिक मनाने नहीं जाते है। उन्होंने कहा कि क्या उत्तराखंड सचिवालय केवल भ्रष्टाचारियों का अड्डा बनकर रह गया है और मुख्य सचिव व पीएस फोन नहीं उठा रहे है और वेतन किस

बात का ले रहे है और जूते उतार कर सचिवालय जायेंगें और पांच बजे के बाद का सिलसिला अटैचियों का होता है और इस प्रदेश का दूरस्थ जिले से आने वाला व्यक्ति आता है तो उसे प्रवेश के लिए पास तक नहीं दिया जाता है और उन्होंने कहा है कि सुरक्षाकर्मियों से अनुरोध किया है कि अंदर तक संदेश पहुंचायें और जनहित के कार्यो को सचिवों से मिलने दें।

उन्होंने कहा कि आज ही सचिवालय जायेंगें और जूते से डर है तो सभी संघ के पदाधिकारी जूते उतारकर सचिवालय जायेंगें और अगर अटैचियों की व्यवस्था भी करेंगें और अटैची लेकर सचिवालय आज ही जायेंगें और जूते उतार कर जायेंगें। उन्होंने कहा कि चोरों का अड्डा बना लिया गया है और जनहित के मुददों को उठाने वाले सचिवालय नहीं जायेंगें तो कहां जायेंगें और लगातार सचिवालय के अंदर जाने के लिए पास बनाये जाने का अनुरोध करते आ रहे है लेकिन कोई नहीं सुन रहा है। उन्होंने कहा कि जन हित के लिए लड़ रहे है और अनिल यादव की रिपोर्ट पर जांच के मामले पर क्या हुआ है की जानकारी लेने जा रहे है और सचिवालय के लोगों ने अफवाह फैलाई है की पूर्व में जूता फैंका गया है और पांच बजे तक इंतजार करेंगें और पांच बजे बाद अटैचियों को लेकर नंगे पांव सचिवालय जायेंगें। उन्होंने कहा कि सचिवों के पीएस फोन नहीं उठाते है और पुलिस जांच करें और अपनी पहचान नहीं छिपायेगा और अस्त्र शस्त्र लेकर जा रहे है तो कार्यवाही करें और यह व्यवस्था सुधरनी चाहिए और जब पास ही नहीं दे रहे है तो वह व्यक्ति अपनी समस्याओं को कैसे उठा पायेगा।

इस अवसर पर उत्तराखंड बेरोजगार संघ के मीडिया प्रभारी सुरेश सिंह ने कहा है कि यहां सचिवालय में आम नागरिकों के मूल अधिकारों का हनन हो रहा है और यहां के अधिकारी संविधान की शपथ लेते है और अधिकारी सरकार की चापलूसी कर रहे है और संविधान लेकर भी सचिवालय लेकर आये हे और सचिवों को संविधान का भी पाठ पढ़ाया जायेगा। उन्होंने कहा कि आम नागरिक के लिए सचिवालय जाने पर पाबंदी लगाई जा रही है और जो चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि हमने राज्य लिया, सचिवालय लिया और इसके लिए कई शहादतें हुई है और उत्तराखंड राज्य बनाया और यहां पर सचिवालय में कार्यरत सचिव नागरिकों की समस्याओं को नहीं सुन रहे है। उन्होंने कहा कि यह बेहद ही शर्मनाक है। वहीं दूसरी ओर इस प्रदर्शन में शामिल कई बेरोजगार युवाओं ने कहा कि उन्हें सचिवालय में प्रवेश पास मिलने में खासी परेशानी हो रही है और उनके आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि इसके चलते, उन्हें सरकारी कार्यालयों में महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर इस मुद्दे का समाधान शीघ्र नहीं किया गया तो युवा और बेरोजगार आगामी दिनों में एक बड़ा प्रदर्शन करेंगे।

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएं। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें–

ऊँ शनैश्वराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मिटटी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
- गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लैं। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
- केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
- बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लैं। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
- गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएं और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
- फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।

- **श्रीकृष्ण** : इसी माह में कृण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जनन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।
- **माता पार्वती** : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **गणेश जी** : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **विश्वकर्मा जी** : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **भगवान विष्णु** : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **श्रीराधा जी** : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **पितृदेव** : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्यमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।
- **शिव जी** : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अतः इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।
- **सूर्यदेव** : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अर्घ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **हनुमान जी** : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था सारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।

- भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1.गांडीव, 2. पिनाक और 3.सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- यह भी कहा जाता है कि वत्तासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने– 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्तासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- कहते है कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के नास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।

घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसो के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

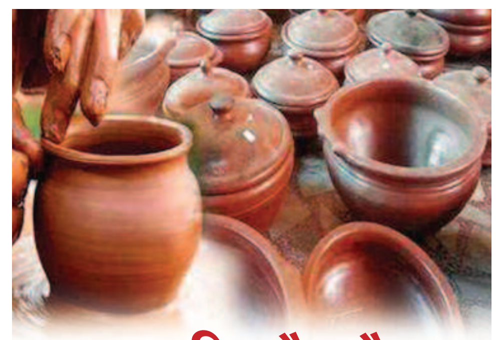

सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

आखिर गीता में क्या खास है?

कलियुग के प्रारंभ होने के मात्र तीस वर्ष पहले गीता को अर्जुन के अलावा संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की तिथि एकादशी थी। उस दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। अर्जुन के नन्दिघोष नामक रथ पर सारथी के स्थान पर खड़े होकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश किया था। कहते हैं प्रथम दिन का उपदेश प्रातः 8 से 9 बजे के बीच हुआ था। बाद के उपदेश कैंप में होते थे।

– गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। इसका कोई सा भी अध्याय अन्य अध्याय का रिपिटेशन नहीं है। विषय भले ही एक हो लेकिन प्रत्येक अध्याय में अलग ही तरह का ज्ञान है।

– गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। गीता का मुख्य ज्ञान है कैसे स्थितप्रज्ञ पुरुष बनना, ईश्वर को जानना या मोक्ष प्राप्त करना।

– श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है।

संक्षिप्त समाचार

जंग के बीच रुसी राष्ट्रपति पुतिन ने गिनाई नए साल की नई प्राथमिकताएं

मास्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि 2025 में रूस नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगा। रूस के लोगों की भलाई के लिए काम करना हमारी प्राथमिकता है। पुतिन ने कहा कि हमने कठिनाइयों पर जीत पाई है और प्रमुख लक्ष्य हासिल किए हैं। साथ ही अपनी एकता को मजबूत किया है।

रूस के राष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश में देश की अर्थव्यवस्था और यूक्रेन में युद्ध को लेकर कोई विशेष वादा नहीं किया। रूस में इन दिनों लोग महंगाई से परेशान हैं। साथ ही केंद्रीय बैंक की 21 फीसदी ब्याज दर से व्यवसायियों और घर खरीदने वालों पर बोझ पड़ रहा है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि हम नए साल की दहलीज पर हैं और भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। मुझे विश्वास है सब कुछ ठीक हो जाएगा। हम केवल आगे बढ़ेंगे। हम जानते हैं कि हमारे लिए पूर्ण मूल्य रूस का भाग्य उसके नागरिकों की भलाई था, है और रहेगा।

पुतिन ने ठीक 25 साल बाद राष्ट्र को संबोधित किया। इससे पहले उन्होंने 1999 के आखिरी दिन बोरिस येल्तसिन के इस्तीफा देने के बाद पहली बार कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में राष्ट्र को संबोधित किया था। पुतिन ने यूक्रेन युद्ध में मरने वाले रूसी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि हमें आपके साहस और बहादुरी पर गर्व है। हमें आप पर विश्वास है।रूस और यूक्रेन की जंग फरवरी 2022 में शुरू हुई थी। इस युद्ध में अब तक दोनों देशों के हजारों सैनिकों की जान जा चुकी है। अब राष्ट्रपति पुतिन कह रहे हैं कि वह यूक्रेन पर बातचीत के लिए तैयार हैं और वह इसके लिए शांति पहल का भी स्वागत करते हैं। खासकर वह पहल, जो कि वैश्विक दक्षिण और ब्रिक्स साझेदार देशों- चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की तरफ से लाई गई हैं।

नए साल के जश्न में मग्न थे तभी धरती के करीब से गुजरा 53 फीट का छुद्रग्रह

वॉशिंगटन

जब नए साल के जश्न में सभी लोग मग्न थे तभी 31 दिसंबर को एक विशाल आकार का क्षुद्रग्रह पृथ्वी के सबसे पास आ गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह दिसंबर 2024 का दूसरा अवसर था जब पृथ्वी के पास ऐसा खगोलीय घटना हुई। 53 फीट चौड़ा यह क्षुद्रग्रह 31 दिसंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 9:17 बजे पृथ्वी के पास आया। यह 28,227 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से यात्रा करते हुए पृथ्वी से 2,580,000 किलोमीटर दूर से गुजरा। यह दूरी चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी का लगभग 6.7 गुना है।

नासा के सेंटर फॉर नियर-आर्थ ऑब्जेक्ट स्टडीज द्वारा 2024 एवी 2 जैसे क्षुद्रग्रहों का ट्रैकिंग किया जाता है। नासा की ग्रह रक्षा समन्वय कार्यालय के तहत 140 मीटर से बड़े खगोलीय पिंडों का पता लगाने और उन्हें ट्रैक करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। भविष्य में किसी भी टक्कर की संभावना को कम करने के लिए ऐसा किया जा रहा है।

यह क्षुद्रग्रह नियर-आर्थ ऑब्जेक्ट्स श्रेणी में आता है। इनकी कक्षा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जाती है। नासा के अनुसार, 2024 एवी2 पृथ्वी के लिए कोई खतरा नहीं था। यह क्षुद्रग्रह इतना बड़ा नहीं था कि उसे खतरनाक माना जाता। नासा के मुताबिक, जो क्षुद्रग्रह 492 फीट से बड़े होते हैं और पृथ्वी के 75 लाख किलोमीटर के दायरे में आते हैं उन्हें खतरनाक माना जाता है।

इससे पहले रूस के आसमान में एक शानदार आग का गोला दिखाई दिया था। एक छोटे क्षुद्रग्रह के कारण ऐसा हुआ था। वैज्ञानिकों ने इसकी यात्रा का सफलतापूर्वक ट्रैकिंग किया था और केवल 12 घंटे पहले इसे पहचाना था। इसका वायुमंडल में प्रवेश दस सेकंड के मार्जिन के साथ भविष्यवाणी की गई थी। जैसे ही यह पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करता है क्षुद्रग्रह छोटे टुकड़ों में टूटकर बिखर गया था।

पालतू बिल्ली की मौत के बाद महिला के नाम आई चिट्ठियां

लंदन

हाल ही में एक महिला की पालतू बिल्ली की मौत हो गई, जिससे वह पूरी तरह से टूट गई थी। इस दुख के बाद, महिला के घर पर दो चिट्ठियां आईं, जिनमें से एक बिल्ली की ओर से थीं। यह सुनकर आप सोच सकते हैं कि ऐसा कैसे मुमकिन हो सकता है, लेकिन यह सच है। जानकारी के अनुसार, महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर इस चौंकाने वाली घटना का जिक्र किया। फेंसीडॉग्स नाम की यूजर ने अपने पोस्ट में बताया कि उसकी पालतू बिल्ली का नाम इजी था और पिछले मंगलवार को किडनी फेलियर के कारण उसकी मौत हो गई थी। महिला अपनी बिल्ली के जाने के बाद बेहद दुखी थी और घर के उन कोनों में उसे ढूंढ रही थी, जहां वह अक्सर रहती थी। चार दिन बाद, महिला को दो चिट्ठियां मिलीं, जो बिल्ली की ओर से थीं। जब उसने इन चिट्ठियों को खोला, तो वह हैरान रह गई, क्योंकि उनमें से एक पर बिल्ली के पंजे के निशान थे और दूसरी पर उसके नाक का निशान था। यह चिट्ठियां वास्तव में बिल्ली के डॉक्टर ने भेजी थीं। एक चिट्ठी में लिखा था, पॉजिटिव रहो, क्योंकि तुम मुझे मिस करोगी, और दूसरी में लिखा था, जाने से पहले किस! इस घटनाक्रम ने सोशल मीडिया यूजर्स को भी भावुक कर दिया। इस पोस्ट को हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिले हैं, और कई लोगों ने अपनी प्यारी पालतू जानवरों के साथ बिताए गए पलों को याद किया।

ग्रैंड लेवल की सोच रखते हैं कप्तान प्रमेन्द्र सिंह डोबाल

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

नववर्ष की शुरूआत के साथ ही एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा अपने मातहत में एक बार फिर जोश भरते हुए अपराध मुक्त समाज के निर्माण के लिए जोर शोर से जुटने का आह्वाहन किया। नई ऊर्जा के साथ जुटी जनपद पुलिस ने देहात से लेकर सिटी एरिया तक सिलसिलेवार तरीके से कार्यवाही करते हुए साल के पहले ही दिन संगठित अपराधियों और उनके रहनुमाओं की चूड़ी कसते हुए ताबड़तोड़ तरीके से 50 अभियुक्तों के विरुद्ध अलग-अलग थानों में गैंगस्टर एक्ट के तहत 17 मुकदमें दर्ज किए गए, जो गौकशी, वाहन चोर , नशा तस्करी , लूट, एंव अन्य अपराधों में आदतन संलिप्त है ,इसके साथ ही कोतवाही नगर एंव कोतवाली ज्वालापुर द्वारा 26 लोगो के विरुद्ध गुण्डा के तहत कार्यवाही की गयी। कप्तान प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा दिए गए कड़े निर्देश पर पुलिस टीमें अब गैगस्टर एक्ट के तहत इन संगठित अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजने के साथ-साथ आपराधिक कृत्यों से बनाए गए महलों और खरीदी गई महंगी गाड़ियों को भी कब्जे में लेने की तैयारियों में जुटी हुई है।

जनपद के विभिन्न थानों द्वारा आज गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई कार्यवाही का विवरण निम्नवत है-

कोतवाली नगर हरिद्वार

अपराध (नशा तस्कर)

1-आशीष उर्फ मोन्टू (गैंग लीडर) पुत्र सुरेश चन्द निवासी डवल फाटक मोहनपुर कोतवाली रुडकी हरिद्वार ।

2-विक्कू कुमार उर्फ कालू पुत्र रामनाथ प्रसाद निवासी मोती छापर थाना चनपटिया जिला पश्चिमी चम्पारण वेत्तियाह (बिहार) हाल निवासी हरदेव अपार्टमेन्ट कला थाना रायवाला जनपद देहरादून उत्तराखण्ड

3-प्रमोद उर्फ सोनू पुत्र ओमप्रकाषा निवासी भीमगोडा रोड निकट काली मन्दिर कोतवाली नगर हरिद्वार

थाना श्यामपुर-

अपराध- (वाहन चोरी)

1- मुकेश बिष्ट उर्फ रेपर पुत्र राजेन्द्र बिष्ट निवासी ग्राम गैण्डीखाता थाना श्यामपुर हरिद्वार। 2.जायेद पुत्र खलील मलिक निवासी ग्राम इन्द्रानगर गैण्डीखाता थाना श्यामपुर ।

3. दीपक पुत्र रमेश निवासी ग्राम गैण्डीखाता थाना श्यामपुर हरिद्वार।

थाना कनखल-

अपराध -(लूटपाट)

1-मोहित(गैंग लीडर) पुत्र धर्मपाल निवासी ग्राम अखाड़ा कला थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार 2-पिंटू पुत्र लक्ष्मी उर्फ. बालू निवासी चन्द्रपुरी थाना खानपुर जनपद हरिद्वार 3-संजय उर्फ.कान्हा पुत्र शोक सिंह शिवलोक निवासी मिजार्पुर पूरणपुर थाना खानपुर जनपद हरिद्वार

कोतवाली(ज्वालापुर-)

(अपराध- वाहन चोरी)

1-अजय पुत्र भीम सिंह निवासी ग्राम गिबाई स्त्रोत नई बस्ती कोटद्वार जनपद पौड़ी गढ़वाल । (गैंगलीड़र)

2-नईम पुत्र अब्दुल रज्जाक निवासी ग्राम दरियापालपुर उर्फ नोबली थाना नागल सहारनपुर उत्तर प्रदेश ।

3- फैसल पुत्र तनवीर निवासी ग्राम उमरपुर बुढ़ाना मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश।

4- मुनव्वरउर्फ मुन्ना पुत्र रुस्तम निवासी ग्राम सराय निकट इमामबाड़ा सराय ज्वालापुर हरिद्वार।

कोतवाली रानीपुर-

(अपराध- जाली नोट)

1- सौरभ पुत्र जसबीर निवासी गांधी कालोनी थाना देवबंद जिला सहारनपुर उ0प्र0(गैंगलीड़र)

2- निखिल कुमार पुत्र सुरेन्द्र कुमार निवासी ग्राम शांहजहापुर थाना सरसावा जिला सहारनपुर उ0प्र0।

3- अनंतबीर पुत्र स्व0 जिले सिह निवासी लोकरड़ थाना बाबूगढ छावनी जिसा हापुड़ उ0प्र।

4- नीरज पुत्र राजेश निवासी गांधी कालोनी देवबंद सहारनपुर उ0प्र0।

5- मोहित पुत्र राजेन्द्र नि0 सरसावा जिला सहारनपुर उ0प्र0 ।

6- विशाल पुत्र राजेश नि0 गांधी कालोनी देवबंद जिला सहारनपुर उ0प्र0।

थाना सिडकुल-

(अपराध झ नशा तस्कर)

1.शाहिद पुत्र अली शेर निवासी ग्राम रोशनाबाद थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार(गैंग लीडर)

2.अमान कुरैशी पुत्र असलम कुरैशी निवासी मोहल्ला कोटरावान कोतवाली ज्वालापुर हरिद्वार ।(सदस्य)

थाना बहादराबाद-

(अपराध झगौकशी)

1-शहजाद (गैगलीडर) पुत्र नवाब निवासी मरगूबपुर थाना बहादराबाद हरिद्वार ।

2-नवाब पुत्र इस्माईल निवासी उपरोक्त।

3-ईलियास उर्फ सुक्कड पुत्र रसीद निवासी उपरोक्त । 4-शाहनवाज उर्फ सोनू पुत्र ईलियास उर्फ सुक्कड निवासी उपरोक्त।

थाना पिरान कलियर

(अपराध झ नशे का कारोबार)

1-जाकिर पुत्र ताहिर निवासी रईस कालोनी मुकर्बपुर थाना पिरान कलियर जनपद हरिद्वार।(गैंगलीड़र)

2-इरशाद पुत्र इसाक निवासी रईस कालोनी मुकर्बपुर थाना पिरान कलियर जनपद हरिद्वार।

कोतवाली रुड़की-

(अपराध झ वाहन चोर)

1-सलमान पुत्र नसीम निवासी मुकर्रबपुर थाना पिरान कलियर हाल निवासी बन्दा रोड़ कोतवाली रूड़की जनपद हरिद्वार (गैंग लीडर)

2-साकिब पुत्र रईस उर्फ बाबू कसाई निवासी सत्ती मौहल्ला कोतवाली रूड़की।

कोतवाली गंगनहर-

(अपराध झ वाहन चोरी)

१- आमिर पुत्र नूर हसन निवासी सालियर रुड़की कोतवाली गंगनहर जनपद हरिद्वार (गैंगलीड़र) २-मुकीम पुत्र फैय्याज निवासी सालियर रुड़की कोतवाली गंगनहर जनपद हरिद्वार ।

३- शादाब पुत्र रिफाकत निवासी माधोपुर रुड़की कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार ।

थाना पथरी

(अपराध झनशा तस्कर)

1-निसार निवासी- कासमपुर थाना पथरी हरिद्वार। (गैंग लीडर)

2-आजम हसन निवासी बोडाहेडी, थाना पथरी हरि० (गैंग सदस्य)

3-अशरफ पुत्र मुनफैत नि० ग्राम बोडाहेडी, थाना पथरी, हरि० (गैंग सदस्य)

4-साहिब पुत्र संग्गां खान नि० ग्राम गुलडिया थाना मीरगंज जिला बरेली उ०प्र० (गैंग सदस्य)

कोतवाली लक्सर-

(अपराध-गौकशी/ गौतस्करी)

1-शमीम उर्फ सिम्मा पुत्र इकबाल निवासी जैनपुर खूर्द थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार। (गैंगलीड़र)

2-नौशाद पुत्र इरशाद उर्फ सादा निवासी जैनपुर खूर्द थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार । 3-ताजू पुत्र गफ्फार निवासी निवासी जैनपुर खूर्द थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार ।

कोतवाली मंगलौर-

(अपराध- लूट/ चोरी)

1-मेहराज पुत्र कमरुद्दीन निवासी मर्दपाना गढमुक्तेश्वर उ0प्र0(गैंगलीड़र)।

2-रईश पुत्र कमरुद्दीन निवासी उपरोक्त।

3- सादिक पुत्र इन्साफ अली निवासी ग्राम लिब्बरहेडी कोत0 मंगलौर।

4-दानिश पुत्र बीरजीस निवासी खालापार सिविल लाईन मु0नगर।

थाना झबरेडा

(अपराध- लूट)

1. जिशान पुत्र वाजिद निवासी नई मण्डी कस्बा व थाना झबरेडा जिला हरिद्वार।

2- कुलदीप सैनी पुत्र सतपाल नि०अम्बेहटी थाना नकुड जिला सहारनपुर।

थाना भगवानपुर-

(अपराध-गौतस्करी)

1-असलम उर्फ टांडा पुत्र सुल्तान निवासी ग्राम सिकरोडा जनपद हरिद्वार । (गैंगलीड़र)

2- सन्नवर उर्फ सनोवर पुत्र सुल्तान निवासी ग्राम सिकरोडा जनपद हरिद्वार ।

3- मुन्तजिर पुत्र सुलेमान नि0 सिकरोडा थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार।

थाना बुग्गावाला-

(अपराध- गौकशी)

1.परवेज पुत्र सत्तार उर्फ मोहल्ड निवासी लालवाला मजबजा बन्दरजुड थाना बुग्गावाला जनपद हरिद्वार।(गैंगलीड़र)

2.इमरान पुत्र सत्तार उर्फ मोहल्ड निवासी लालवाला मजबजा बन्दरजुड थाना बुग्गावाला जनपद हरिद्वार ।

नहर में गिरी बाइक, तीन युवकों की मौत

सासाराम

सासाराम के सूर्यपुरा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की जान चली गई। ये युवक जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे जब उनकी बाइक अनियंत्रित होकर लखुई लख नहर में गिर गई। हादसे में तीनों युवकों की मौत हो गई, जिनकी पहचान एक ही परिवार के सदस्यों के रूप में हुई है।

घटना उस समय हुई जब तीनों युवक अपनी बहन के गांव नटवार से जन्मदिन मना कर देर रात अपने गांव गुंसेज लौट रहे थे। सुबह के समय पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे युवकों ने घटनास्थल पर बाइक और शवों को देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मृतकों की पहचान प्रियांशु कुमार (25 वर्ष), पिता मुंद्रिका

सिंह, अंकित कुमार (25 वर्ष), पिता संजय सिंह, शशिरंजन उर्फ मनु कुमार (23 वर्ष), पिता रामेश्वर सिंह के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी ने घटनास्थल पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों ने बताया कि हादसा रात में हुआ, लेकिन अंधेरे में इसकी जानकारी नहीं मिल पाई। हादसे के बाद पूरे इलाके में नववर्ष के पहले दिन शोक का माहौल है। तीनों युवकों की मौत से उनके परिवार और गांव में मातम छा गया है। स्थानीय लोग घटना से गहरे सदमे में हैं।हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

दुनिया के 10 मेगाप्रोजेक्ट्स, जिनकी लागत 100 अरब डॉलर से अधिक

बीजिंग

चीन, अपनी अनोखी और बड़े पैमाने पर चल रही परियोजनाओं के लिए जाना जाता है, अब चीन ब्रह्मपुत्र नदी (इस नदी को तिब्बत में सेंगपो कहा जाता है) पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की योजना बना रहा है। इस परियोजना का अनुमानित खर्च 137 अरब डालर है। इस बांध को पूरा होने में करीब 10 साल लग सकते हैं। यह प्रोजेक्ट चीन का अब तक का सबसे महंगा प्रोजेक्ट होगा, और दुनिया की छठी सबसे महंगी परियोजना के रूप में उभर सकता है। हालांकि, इससे भी बड़ा प्रोजेक्ट सामने आने की संभावना है। 2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर का मेगाप्रोजेक्ट बनने की उम्मीद की जा रही है, जो चीन के इस बांध से

लगभग साढ़े चार गुना महंगा होगा। वर्तमान में, दुनिया में 10 मेगाप्रोजेक्ट्स चल रहे हैं जिनकी लागत 100 अरब डॉलर से अधिक है।

दुनिया का सबसे महंगा प्रोजेक्ट यूरोप का ट्रांस-यूरोपियन ट्रांसपोर्ट नेटवर्क है, इसकी अनुमानित लागत 600 अरब डॉलर है। यह प्रोजेक्ट यूरोप के परिवहन तंत्र को आधुनिक बनाने और पूरे यूरोप को आपस में जोड़ने के लिए है। इसके तहत यूरोपीय देशों को सड़क, रेलवे, एयरपोर्ट और जलमार्ग से जोड़ा जाएगा, साथ ही इसमें टेलीकम्युनिकेशंस नेटवर्क और ऊर्जा नेटवर्क भी शामिल होगा।

दूसरे नंबर पर सऊदी अरब का नियोम सिटी प्रोजेक्ट है, जिसकी अनुमानित लागत 500 अरब डालर है, जबकि गल्फ रेलवे और इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के विकास में 250 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है। कुवैत की सिल्क सिटी परियोजना पर 132 अरब डालर खर्च हो सकते हैं। इसके अलावा, 100 अरब डॉलर के प्रोजेक्ट में कैलिफोर्निया की हाई-स्पीड रेल परियोजना, सऊदी अरब की किंग अब्दुल्ला इकनॉमिक सिटी, दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और माइक्रोसॉफ्ट/ ओपनएआई डेटा सेंटर एंड सबकम्प्यूटर शामिल हैं। चीन का यह बांध प्रोजेक्ट न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसके रणनीतिक पहलू भी हैं, खासकर भारत के लिए, जो ब्रह्मपुत्र नदी के जल स्त्रोतों पर निर्भर है।

हजारों वर्षों तक ऊर्जा प्रदान करने वाले स्रोत की खोज का दावा

वाशिंगटन

अमेरिकी वैज्ञानिकों ने ऊर्जा के एक नए स्त्रोत की खोज की है, जो आने वाले हजारों वर्षों तक ऊर्जा प्रदान कर सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस रिफ्ट में लगभग 5,000 फीट नीचे प्राकृतिक हाइड्रोजन ईंधन के विशाल भंडार हो सकते हैं।

नेब्रास्का यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों ने दावा किया है कि उन्होंने 1,200 मील लंबी मिडकॉन्टिनेंट रिफ्ट की खोज की है, जो उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप के विभाजन से बनी थी। हाइड्रोजन एक ऐसा ईंधन है, जो जलने पर लगभग शून्य हीट-ट्रैपिंग एमिशन उत्पन्न करता है, और इसे फॉसिल फ्यूल के स्थान पर एक संभावित विकल्प के रूप में देखा जाता है।

वर्तमान में हाइड्रोजन बनाने के लिए जीवाश्म ईंधन का उपयोग किया जाता है, लेकिन इस नई खोज के बाद, इस प्राकृतिक हाइड्रोजन के उत्पादन से पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान हो सकता है। शोधकताओं के मुताबिक, रिफ्ट में एक पांच साल पुराना परीक्षण बोरहोल

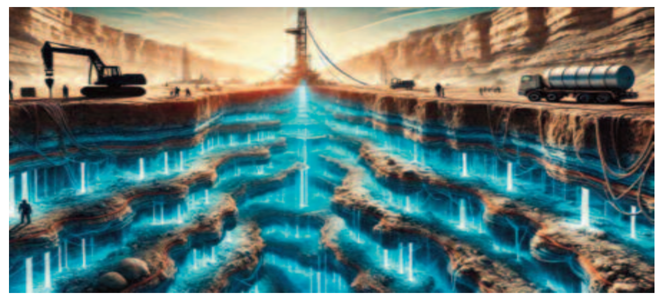

उत्साहजनक परिणाम दे रहा है, जो यह संकेत देता है कि यह साइट हाइड्रोजन उत्पादन के लिए उपयुक्त हो सकती है।

रिफ्ट में पाए जाने वाले हाइड्रोजन को प्राकृतिक रूप से प्राप्त किया जा सकता है, जबकि अन्य भंडार अक्सर समुद्र के नीचे या जमीन के बहुत नीचे होते हैं। नेब्रास्का के शोधकर्ता इस समय इस हाइड्रोजन के बायोकेमिकल और माइक्रोबॉयोलॉजिकल पहलुओं पर अध्ययन कर रहे हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर इस प्राकृतिक हाइड्रोजन को किफायती तरीके से निकाला जा सकता है, तो यह ऊर्जा के एक महत्वपूर्ण स्त्रोत के रूप में सामने आ सकता है, जो न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा, बल्कि दुनिया भर में ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने में भी मदद कर सकता है। इसके अलावा, यह भी विचार किया जा रहा है कि इस हाइड्रोजन ईंधन को प्रभावी तरीके से कैसे इकट्ठा किया जाए। इस शोध को समर्थन देने के लिए अमेरिकी सरकार ने 1 मिलियन डॉलर का ग्रांट भी प्रदान किया है।

चीन के हैकर्स ने अमेरिका के ट्रेजरी विभाग में लगाई सेंध, उड़ाए गोपनीय दस्तावेज

वॉशिंगटन,

चीन के हैकर्स ने अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट के सिस्टम्स में सेंध लगाकर कई अहम दस्तावेज उड़ा लिए हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक चाइनीज स्पॉन्सर्ड हैकर ने एम्प्लॉयी वर्कस्टेशन और गोपनीय दस्तावेजों को हैक कर लिया। ट्रेजरी विभाग ने एक पत्र लिखकर सांसदों को इसकी जानकारी दी है। विभाग ने इस बड़ी घटना बताते हुए कहा कि इस मामले की जांच के लिए एफबीआई और दूसरी एजेंसियों की मदद ली जा रही है।

वॉशिंगटन में चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा कि उनके देश पर लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं और अमेरिका के पास इसका कोई सबूत नहीं है। ट्रेजरी विभाग ने सांसदों को लिखी चिट्ठी में कहा है कि चीनी हैकर ने एक थर्ड पार्टी सर्विस प्रोवाइडर द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली एक की के जरिए सिक्योरिटी ब्रीच की है। यह सर्विस प्रोवाइडर कर्मचारियों को रिमोट टेक्निकल सपोर्ट मुहैया करता है। ट्रेजरी विभाग में इस बात का खुलासा नहीं किया कि हैकर्स ने किस तरह की फाइलों को उड़ाया है।

चीनी हैकिंग के असर का पता लगाने के लिए ट्रेजरी विभाग एफबीआई के साथ-साथ साइबरसिक्योरिटी एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी और थर्ड पार्टी फोरेंसिक इनवेस्टिगेटर्स के साथ भी काम कर रहा है। ट्रेजरी विभाग को 8 दिसंबर को बताया गया था कि 2 दिसंबर को कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी। लेकिन कंपनी को यह तय करने में तीन दिन लग गए कि यह हैंकिंग थी।

वीकेंड वेकेशन के बाद लौटे सुहाना-अगस्त्य

मुंबई

हाल ही में बालीवुड के सुपर स्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और उनके कथित बॉयफ्रेंड अगस्त्य नंदा को अलीबाग में वीकेंड वेकेशन के बाद मुंबई लौटते हुए देखा गया। एक्टर शाहरुख, गौरी खान और उनके बच्चे अबराम और सुहाना खान शहर में देखे गए।

खान परिवार ने अमिताभ बच्चन और जया बच्चन के पोते अगस्त्य के साथ अलीबाग में कुछ समय साथ बिताया। वीकेंड रिट्रीट के बाद वे नए साल से पहले मुंबई लौट आए। फैंस को सुहाना खान और अमिताभ बच्चन के पोते अगस्त्य नंदा की जोड़ी काफी अच्छी लग रही है। हाल ही में दोनों को एक साथ देखा गया था। जहां पर सुहाना व्हाइट कलर की शर्ट में नजर आई थी। वहीं, अगस्त्य नंदा काले रंग की टी-शर्ट में दिखाई दिए थे। सुहाना ने अपने लुक को स्टाइलिश बनाने के लिए काला चश्मा लगाया हुआ था, जो काफी आकर्षक लग रहा था। शाहरुख खान ब्लैक टी-शर्ट में बहुत ही कूल लग रहे थे। उन्होंने हुडी की टोपी से अपना चेहरा ढका हुआ था और साथ ही कार्गो पैंट भी पहनी हुई थी। गौरी व्हाइट शर्ट, येलो ब्लेजर और ब्लैक फ्लेयर्ड पैंट में बहुत ही खूबसूरत लग रही थीं। सुहाना ने क्रॉप टॉप, डेनिम जींस और व्हाइट स्नीकर्स में कैजुअल लेकिन स्टाइलिश लुक अपनाया, जबकि अगस्त्य ब्लैक टी-शर्ट, ब्लू जींस और ब्लैक कैप में फैशनेबल लग रहे थे।

हाल ही में एक फैन ने सुहाना और अगस्त्य को अलीबाग में साथ देखा। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में दोनों को साथ-साथ चलते और स्पीड बोट पर चढ़ते देखा जा सकता है। बिल्ली की तरफ सुहाना के झुकाव ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज में अपने डेब्यू के बाद, सुहाना और अगस्त्य बड़े पर्दे पर अपनी शुरूआत की तैयारी कर रहे हैं। सुहाना अपने पिता शाहरुख खान के साथ उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग में नजर आएंगी। कथित तौर पर इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद करेंगे, इसमें अभिषेक बच्चन खलनायक की भूमिका निभाएंगे।

गंभीर ने टीम को आड़े हाथों लिया, बेहतर प्रदर्शन करें या बाहर होने तैयार रहें

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन से मुख्य कोच गौतम गंभीर बेहद नाराज हैं और उन्होंने इसी कारण टीम को आड़े हाथों लिया। जिस प्रकार से भारतीय टीम ने मेलबर्न में हाथ में आया मैच खो दिया उससे कोच बेहद नाराज बताये गये हैं। मेलबर्न की हार से भारतीय टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से भी तकरीबन बाहर हो गयी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी कारण भड़के गंभीर ने हर किसी को जमकर फटकारा और कहा, बस बहुत हो गया अब उन्हें संभल जाना चाहिये। गंभीर ने इस दौरान नाम लिए बिना ही स्वाभाविक गेम खेलने के नाम पर आउट होने के लिए अलग-अलग बहाने ढूंढने वाले खिलाड़ियों को भी चेतावनी दी। माना जा रहा है कि उनका संकेत विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और विराट कोहली की ओर था। गंभीर के कोच पद संभालने के बाद से ही से अब तक का टीम का सबसे खराब प्रदर्शन है। उनके कोच पद संभालने के बाद टीम को केवल बांग्लादेश पर जीत मिली। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर उसे हार का सामना करना पड़ा। ड्रेसिंग रूम में कोच ने एक लाइन में कहा कि अगर टीम की योजना के अनुसार नहीं चल सकते हैं तो बाहर जाने के लिए तैयार रहें।

गंभीर ने कहा कि उन्होंने पिछले 6 महीने टीम को अपने अनुसार खेलने की आजादी दी थी पर उससे नुकसान ही हुआ है। अब टीम को उनके अनुसार खेलना होगा। मेलबर्न में हार के बाद भारतीय टीम को ने केवल सिडनी में जीतना होगा, बल्कि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में पहुंचने के लिए श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज के परिणाम पर भी निर्भर रहना होगा।

गंभीर ने कहा कि खिलाड़ी टीम की योजना और हालात को छोड़कर स्वाभाविक गेम के नाम पर अपनी मर्जी से खेलने के प्रयस कर रहे रहे हैं।

कोंस्टास की तरह आक्रामक अंदाज में खेले टीम : वॉर्नर

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने अपने पहले ही मैच में आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी के लिए सैम कोंस्टास की जमकर प्रशंसा की है। वॉर्नर ने कहा कि जिस प्रकार 19 साल के कोंस्टास ने अपने पहले मैच में खेला। वैसे ही अन्य बल्लेबाजों को भी खेलना चाहिये। युवा कोंस्टास ने मेलबर्न में अपने पदार्पण मैच में ही 65 गेंद में 60 रन बनाए। यहां तक कि उनके साथ खेलने से अनुभवी उस्मान ख्वाजा को फार्म हासिल करने में सफलत मिली।

वॉर्नर ने कहा, ह्ययह बहुत खास अहसास था। लोग उसकी आलोचना भी करेंगे पर यह उसका स्वाभाविक खेल है और वह ऐसे ही खेलेगा। बुमराह जैसे गेंदबाज के खिलाफ आपको आक्रामक मानसिकता रखनी ही होगी। उसके लिए पहले टेस्ट का अनुभवी अच्छा रहा।कोंस्टास ने इससे पहले प्रधानमंत्री एकादश के लिये खेलते हुए भारतीय टीम के खिलाफ 97 गेंद में 107 रन बनाए थे और एमसीजी पर भारत ए के खिलाफ नाबाद 73 रन बनाये थे। वॉर्नर ने कहा, ह्यप्रधानमंत्री एकादश के लिए उसकी पारी ने साबित कर दिया था कि वह प्रतिभाशाली ही नहीं, साहसी बल्लेबाज भी है। वह शीर्षक्रम में उस प्रकार से निडर होकर खेलता है जैसे उसने 50 टेस्ट खेल लिए हों। ऐसे में अन्य बल्लेबाजों को भी इसी प्रकार से निडर होकर खेलना होगा। उन्हें भी क्रीज से बाहर निकलकर शॉट खेलने चाहिए। वहीं इस सीरीज में 30 विकेट ले चुके बुमराह की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, ह्यहम यही उम्मीद करेंगे कि आखिरी टेस्ट में वह इसी लय में नहीं रहे। वह जीनियस है। उसका रिकॉर्ड शानदार है। बल्लेबाजों के लिए उस पर दबाव बनाना बहुत कठिन है। ख्वाजा पहले स्पैल में उसकी दो गेंद खेल ही सका। बल्लेबाजों को उसके सामने टिके रहने के लिए भाग्य के साथ की भी जरुरत होती है।

इंग्लैंड के पूर्व किकेटर ने नितीश की तुलना डिविलियर्स से की

लंदन

इंग्लैंड के पूर्व किकेटर मार्क निकोलस ने भारतीय टीम के युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी की जमकर प्रशंसा की है। निकोलस ने कहा कि जिस प्रकार से नितीश ने मेलबर्न टेस्ट में बल्लेबाजी की थी उससे तय है कि वह विश्व क्रिकेट के दूसरे ए बी डिविलियर्स बनकर उभरेंगे। निकोलस ने इस प्रकार नितीश की तुलना डिविलियर्स से की है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण जाने जाते हैं। नितीश को लेकर निकोलस ने कहा कि, ह्लउनकी ट्रिगर मूवमेंट मुझे डिविलियर्स की याद दिलाती है जिस तरह से वह पीछे जाते हैं और आगे की ओर दबाव डालते हैं, वैसा डिविलियर्स ही करते थे।

इसी कौशल से डिविलियर्स ने जमकर रन बनाये हैं। यही अब नितीश कर रहे हैं। साथ ही कहा कि मुझे उनका साहस और अपना समर्थन करने की क्षमता पसंद है।

वह शीर्ष पर जाने और दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का सामना करने में जरा भी संकोच नहीं करते हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने आगे कहा कि अगले मैच में छह बल्लेबाजों और फिर पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों को रखना चाहिये और नितीश को शीर्ष छह बल्लेबाजों में शामिल किया जाना चाहिये। इस सीरीज में नितीश ने अबतक खेले 4 मैच में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा 294 रन बनाये हैं।

हेड ने अपने अजीब जश्न को लेकर सफाई दी

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने भारतीय टीम के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऋषभ पंत को आउट करने के बाद अपने अजीब से जश्न को लेकर सफाई दी है। हेड के इस जश्न को लेकर कई लोगों ने हैरानी जतायी थी। वहीं कई लोगों ने इसे विवादित बताते हुए सवाल भी उठाये थे। साथ ही कइने कहा कि यह बर्फ पर अंगुली का संकेत था। साथ ही कहा कि यह अजीब इशारा उन्होंने पहली बार श्रीलंका दौरे में दिखाया था।

इस मैच में ऋषभ जब अच्छी बल्लेबाजी करने लगे थे और मैच को ड्रॉ कराने की ओर बढ़ रहे थे। तभी हेड ने उन्हें आउट कर मैच का रुख ही मोड़ दिया। भारतीय बल्लेबाज ने पुल शॉट खेलने का प्रयास किया था जिसपर वह कैच हो गये थे। इसके बाद हेड ने अपने बाएं हाथ की अंगुलियों को एक मोड़कर और दाहिने हाथ की तर्जनी अंगुली को उसमें डुबाकर इस क्षण का जश्न मनाया। हेड ने मेलबर्न टेस्ट के बाद कहा, ह्यफिंगर ऑन द आइस। मैंने इसकी शुरूआत श्रीलंका में की। मैं अपनी अंगुली बर्फ पर रखी और गेंदबाजी के लिए तैयार हुआ। मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस से जब हेड के इस अजीब से जश्न को इसके बारे में पूछा गया और उन्होंने कहा, ह्यमैं इसे समझा सकता हूं। उसकी अंगुली इतनी गर्म है कि उसे इसे एक कप बर्फ में डालना पड़ा। यही बात है। कमिंस ने कहा, ह्ययह आम तौर पर किया जाने वाला मजाक है हालांकि हेड का जश्न पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू को पसंद नहीं आया जिन्होंने इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के खिलाफ ह्यकड़ी कार्रवाई की मांग की और इसे ह्यघृणित बताया।

ऐश्वर्या रॉय की पर्सनालिटी में बदलाव आया: सोना मोहापात्रा

मुंबई

हाल ही में सिंगर सोना मोहापात्रा ने मिस वर्ल्ड रह चुकी ऐश्वर्या राय बच्चन के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि फेम मिलने के बाद ऐश्वर्या रॉय की पर्सनालिटी में बदलाव आया है। सिंगर ने कहा कि ऐश्वर्या पहले बहुत बुद्धिमान और आत्मविश्वासी महिला थीं, लेकिन इंडस्ट्री में आकर उन्होंने अपने व्यक्तित्व को थोड़ा बदल लिया है।

एक इंटरव्यू में सोना ने बताया कि वह पहली बार ऐश्वर्या से तब मिली थीं जब वह रचना संसद एकेडमी ऑफ आर्किटेक्चर में आर्किटेक्चर की पढ़ाई कर रही थीं। उस समय ऐश्वर्या बेहद खूबसूरत, स्मार्ट और आत्मविश्वासी थीं, जो हर मुद्दे पर अपनी राय रखती थीं। सोना ने बताया कि वह ऐश्वर्या को देखकर प्रभावित हुई थीं और उन्हें लगता था कि ऐश्वर्या एक बहुत ही इंटेलिजेंट महिला हैं। हालांकि, सोना ने आगे कहा कि जब उन्होंने बाद में ऐश्वर्या को देखा, तो उन्हें महसूस हुआ कि वह वही लड़की नहीं हैं, जिसे वह जानती थीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ऐश्वर्या को फिल्म इंडस्ट्री में ज्यादा न बोलने और ज्यादा तेज न बनने के लिए दबाव डाला गया होगा।

सोना ने यह भी कहा कि ऐश्वर्या अब ज्यादा डिप्लोमैटिक हो गई हैं, और उनकी बोलने की टोन भी बदल गई है। हालांकि, सोना ने यह भी जोड़ा कि वह शायद गलत हो सकती हैं, लेकिन यह बदलाव उन्हें साफ नजर आया। सोना का मानना था कि फिल्म इंडस्ट्री में ऐश्वर्या को शायद अपनी बुद्धिमत्ता और आत्मविश्वास को कम करने के लिए मजबूर किया गया होगा।

बिगबी ने मेरी फ्लॉप फिल्म के लिए समय निकाला : मीका सिंह

मुंबई

हाल ही में एक इंटरव्यू में सिंगर मीका सिंह ने मशहूर अभिनेता अमिताभ बच्चन से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। सिंगर ने बताया कि अमिताभ ने उनकी फिल्म के फ्लॉप मुहूर्त में भी अपने समय का पूरी तरह से सम्मान किया।

सिंगर मीका सिंह ने बताया कि उन्होंने कई बार अमिताभ बच्चन को अपने शोज में इनवाइट किया, लेकिन कभी भी बिग बी ने उनका इनवाइट स्वीकार नहीं किया। एक बार तो मीका अमिताभ के बंगले तक पहुंच गए थे और चक्कर लगाए थे, लेकिन फिर भी उनका इनवाइट नहीं मिला। इस बीच, मीका ने अपने भाई और सिंगर दलेर मेहंदी से इस बात को साझा किया। दलेर ने इस पर एक मजेदार शरारत की और मीका को बताया कि वह अमिताभ से उन्हें मिलवाएंगे। इसके बाद दलेर ने मीका से एक फोन कॉल किया, जिसमें उन्होंने कहा कि वह असली अमिताभ बच्चन से बात कर रहे हैं। हालांकि बाद में मीका को यह पता चला कि वह किसी और से बात कर रहे थे, और यह पूरी एक मजेदार शरारत थी। कुछ समय बाद, मीका की अमिताभ बच्चन से शूटिंग के दौरान मुलाकात हुई, और अमिताभ ने उनसे पूछा कि वह उन्हें क्यों इनवाइट भेजना बंद कर चुके थे। इसके बाद, मीका ने अपनी एक फ्लॉप फिल्म के मुहूर्त के लिए अमिताभ को बुलाया। अमिताभ ने बिना किसी शिकायत के ठीक समय पर वहां पहुंचकर उनका सम्मान किया। मीका ने बताया कि अमिताभ ने उनकी फिल्म के फ्लॉप मुहूर्त में भी अपने समय का पूरी तरह से सम्मान किया।

नेहा ने पहली बार पेटार के साथ अपनी केमिस्ट्री को सार्वजनिक किया

मुंबई

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा शर्मा अपने विदेशी बॉयफ्रेंड पेटार स्लिस्कोविक के साथ मुंबई की सड़कों पर नजर आईं। निजी जिंदगी को लेकर काफी प्राइवेट रहने वाली नेहा ने पहली बार किसी के साथ अपनी केमिस्ट्री को सार्वजनिक किया।

पेटार स्लिस्कोविक एक 33 साल के क्रोएशियाई फुटबॉलर हैं, जो बोस्निया से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने 2011 में जर्मन क्लब मेन्ज 05 के साथ अपने प्रोफेशनल करियर की शुरूआत की थी और बाद में सेंट पॉली और डायनमो ड्रेस्डेन जैसे प्रमुख क्लबों के लिए भी खेले। पेटार का भारतीय फुटबॉल से भी खास नाता है, क्योंकि उन्होंने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में चेन्नईयिन एफसी और जमशेदपुर एफसी का प्रतिनिधित्व किया है। 2022 में चेन्नईयिन एफसी के लिए खेलते हुए उन्होंने आठ गोल किए और अपनी शानदार तकनीक के लिए सराहे गए। नेहा शर्मा, जिन्हें फिल्मों क्रुक और यमला पगला दीवाना 2 से पहचान मिली, हाल ही में पेटार के साथ मुंबई की सड़कों पर हाथों में हाथ डालकर घूमते हुए देखी गईं। नेहा ने ब्लैक ड्रेस पहनी थी, जबकि पेटार कैजुअल टी-शर्ट में नजर आए। दोनों के तस्वीरों और वीडियो के वायरल होने के बाद, फैंस ने उनकी रिलेशनशिप को लेकर अटकलें लगानी शुरू कर दी हैं। नेहा, जो अपनी पर्सनल लाइफ को हमेशा निजी रखने की आदत रखती हैं, ने इस बार अपने रिश्ते को लेकर चुप्पी तोड़ी है।

हालांकि, अभी तक दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। सोशल मीडिया पर उनकी हालिया आउटिंग और शानदार केमिस्ट्री को लेकर फैंस बहुत एक्साइटेड हैं। कुछ फैंस ने इसे दिल टूटने का पल भी कहा, जबकि अन्य इस रिश्ते को लेकर आश्वस्त हैं कि यह बॉलीवुड और स्पोर्ट्स का परफेक्ट मिलन हो सकता है।

अपने पालतू कुत्ते के साथ स्पॉट हुए शाहरुख खान

मुंबई

हाल ही में बालीवुड अभिनेता शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी खान अपने बच्चों अबराम और सुहाना के साथ मुंबई लौटे। इस दौरान सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करने वाली बात यह रही कि शाहरुख खान अपने प्यारे पालतू कुत्ते को प्यार से अपनी बाहों में पकड़े हुए थे।

उन्हें मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया के पास स्थित जेटटी पर पैपराजी ने स्पॉट किया। पैपराजो द्वारा शेयर किए गए वीडियो में शाहरुख खान अपने कुत्ते के साथ कार की ओर जा रहे थे, और उन्होंने अपनी पहचान छिपाने के लिए काले रंग की हुडी पहनी थी। शाहरुख ने काले रंग की टी-शर्ट और मैचिंग हुडी के साथ कार्गो जीन्स पहनी थीं। वहीं, उनके छोटे बेटे अबराम नीली जर्सी और सफेद शॉर्ट्स में नजर आए। गौरी खान इस दौरान हमेशा की तरह स्टाइलिश दिख रही थीं, सफेद शर्ट के ऊपर ब्राइट येलो जैकेट और काले जीन्स पहने हुए। वह अबराम का हाथ पकड़े हुए थीं, जबकि शाहरुख परिवार के साथ कार में बैठने के लिए पीछे चल रहे थे। कुछ समय बाद, शाहरुख की बेटी सुहाना खान अपनी कजिन आलिया छिब्बा के साथ पहुंची।

सुहाना ने काले रंग का स्लीवलेस क्रॉप टॉप और बैगी डेनिम जीन्स पहना था और अपने बाल खुले छोड़ रखे थे। उन्होंने अपनी पहचान छिपाने के लिए एक कैप भी पहन रखी थी। इसके अलावा, एक और वीडियो में शाहरुख को अलीबाग जेटी पर अपने पालतू कुत्ते के साथ देखा गया। गौरी, सुहाना और अबराम भी अलीबाग जेटी पर दिखाई दिए, जहां से वे मुंबई लौट रहे थे। दो दिन पहले, सुहाना खान और उनके रुमर्ड बॉयफ्रेंड अगस्त्य नंदा को गेटवे ऑफ इंडिया पर देखा गया था, जब वे शाहरुख के आलीशान अलीबाग फार्महाउस जा रहे थे। यह फार्महाउस 20,000 वर्ग मीटर में फैला हुआ है और यहां हरे-भरे बाग-बगिचे, खूबसूरत स्विमिंग पूल और पहाड़ियों का शानदार दृश्य है।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध्र रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दर्शायें गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद
भगवानपुर

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतू कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधन कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो. 9219141431
किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक अमित कुमार ने जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार ;उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः घास मण्डी, वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, हरिद्वार पिन 249407 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा सम्पादकः अमित कुमार